दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 142
मुरादाबाद
(Saturday)
13 September 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने लॉन्च किया ज्ञान भारतम पोर्टल, प्राचीन पांडुलिपियों को मिलेगा डिजिटल जीवन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पांडुलिपि धरोहर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ज्ञान भारतम पोर्टल की शुरुआत की। यह डिजिटल मंच भारत की एक करोड़ से अधिक प्राचीन पांडुलिपियों को डिजिटाइज कर संरक्षित करेगा और उनमें समाहित पारंपरिक ज्ञान को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का कार्य करेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पांडुलिपि धरोहर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ज्ञान भारतम पोर्टल की शुरुआत की। ज्ञान भारतम एक डिजिटल मंच है, जिसका उद्देश्य भारत की प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण, डिजिटलीकरण और उनके पारंपरिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना है। इस सम्मेलन का विषय पांडुलिपि धरोहर के माध्यम से भारत की ज्ञान परंपरा की पुनर्प्राप्ति है, जो कि 11 से 13 सितंबर तक संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया है।क्या है ज्ञान भारतम पोर्टल? बता दें कि ज्ञान भारतम एक डिजिटल गेटवे के रूप में काम करेगा, जो भारत के प्राचीन ज्ञान को दुनिया के सामने लाने में मदद करेगा।

इसके तहत पूरे देश में फैली एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों को चिन्हित कर उन्हें डिजिटाइज, संरक्षित और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। ये पांडुलिपियाँ विश्वविद्यालयों, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और निजी संग्रहों में रखी गई हैं।पोर्टल के लिए बने आठ विशेष समूह ज्ञान भारतम पोर्टल के तहत बनाए गए आठ विशेष कार्य समूहों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में अपने-अपने क्षेत्रों में हो रहे कार्यों की प्रस्तुति दी। ये समूह पांडुलिपियों के संरक्षण, डिजिटलीकरण तकनीक, मेटाडेटा मानकों के निर्धारण, कानूनी ढांचे के विकास, सांस्कृतिक कूटनीति, और प्राचीन लिपियों को पढ़ने व समझने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर काम करेंगे। इन कार्य समूहों का उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान धरोहर को संरक्षित कर डिजिटल रूप में भविष्य की पीढ़ियों तक पहुंचाना है।भारत की समृद्ध पांडुलिपि धरोहर गौरतलब है कि भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी प्राचीन पांडुलिपियों की धरोहर मानी जाती है। देश में करीब एक करोड़ पांडुलिपियां हैं, जिनमें आयुर्वेद, गणित, खगोल विज्ञान, दर्शन, संगीत, योग जैसे विषयों में गहरा ज्ञान समाया हुआ है। ऐसे में ज्ञान भारतम की पोर्टल की शुरुआत का उद्देश्य भारत की पांडुलिपियों में छिपा परंपरागत ज्ञान वैश्विक मंच पर पहुंचे और भारत फिर से वैश्विक ज्ञान परंपरा का मार्गदर्शक बने। यह पहल संस्कृति मंत्रालय के तहत एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखी जा रही है, जिससे भारत की ज्ञान परंपरा को विश्व में नई पहचान मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

वन मंत्री ने कहा- जीडीपी में बढ़ा योगदान, उद्यमी बोले- एमएसएमई को सशक्त बनाना जरूरी

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। रोजगार सृजन, उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने में इनकी अहम भूमिका है। देश में नवाचार से औद्योगिक विकास और संभावित चुनौतियों पर मंथन के लिए शुक्रवार को बरेली के अर्बन हाट ऑडिटोरियम में अमर उजाला की ओर से एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। सरकारी योजनाओं पर बैंक लगा रहे पलीता- अजय शुक्ला शुक्ला ने कहा कि क्षेत्र में बिजली की समस्या है। फीडर अलग बना उससे थोड़ी राहत मिली। सुरमा बरेली की धरोहर है। इतने आर्टिजंस (कुशल कारीगर) है जिले में लेकिन उनकी कद्र नहीं हो रही। अर्बन हाट में इन्हें भी जगह मिलनी चाहिए। सरकार ने गूगल सर्वे किया तो प्रदूषण विभाग के लोग भोजीपुरा पहुंचे।

सरदार लुक में दिखे अखिलेश यादव, किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को किया सम्मानित

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को सम्मानित किया। इस मौके पर वह सरदार लुक में दिखे। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारीजन को सम्मानित किया। कार्यकम सपा मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान सपा मुखिया साफा पहनकर सरदार लुक में नजर आए।

इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि लाल पगड़ी खुशी के प्रतीक के रूप में पहनाई जाती है। अब खुशी आने वाली है, क्योंकि सपा सरकार बनने वाली है। नेपाल में हुए तख्तापलट की घटना पर कहा कि यदि वोट की डकैती होगी, तो पड़ोसी देश की तरह यूपी की जनता भी सड़क पर उतर जाएगी।

यहां बाबा ने कब्जा कर रखा है। चुनाव आयोग भाजपा का जुगाड़ आयोग नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या के चुनाव में 5000 लोग बाहर से लाए गए थे। इसी तरह वोट की चोरी होती रही तो पड़ोसी देश में जो जनता करती दिख रही है, हो सकता है कि वह यहां भी करती दिखाई दे।

PM मोदी की मणिपुर यात्रा पर राहुल गांधी बोले- लंबे समये से हो रही हिंसा, अच्छी बात है अब जा रहे

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी की मणिपुर यात्रा को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जूनागढ़ में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मणिपुर में लंबे समय से हिंसा चल रही है, लेकिन अच्छी बात है कि पीएम अब जा जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने इस दौरान दोहराया कि देश की सबसे बड़ी समस्या वोट चोरी है। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर के दौरे पर जा रहे हैं। राज्य के मुख्य सचिव ने इस बात की पुष्टि कर दी है। ऐसे में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर यात्रा पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पीएम मोदी के मणिपुर दौरे का स्वागत करते हुए कहा कि मणिपुर की समस्या काफी समय से चल रही है। अच्छी बात है कि वे अब वहां जा रहे हैं।गुजरात के जूनागढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मणिपुर में लंबे समय से हिंसा चल रही है। इसमें कोई बड़ी बात नहीं कि पीएम मोदी अब वहां जा रहे है। राहुल गांधी ने %वोट चोरी% के आरोपों को दोहराते हुए कहा कि अभी देश में सबसे बड़ी समस्या वोट चोरी की है। राहुल गांधी ने दोहराया वोट चोरी का आरोप पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस नेता ने एक बार फिर अपने %वोट चोरी% वाले आरोप को दोहराया। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या वोट चोरी की है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र में लोगों का जनादेश चुरा लिया गया। हर जगह लोग कह रहे हैं %वोट चोर% ।बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी 13 सितंबर को मणिपुर और मिजोरम के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे मिजोरम में बैराबी-सैरांग रेलवे प्रोजेक्ट का उद्घाटन भी करेंगे। इससे पहले बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है।कांग्रेस महासचिवजयराम रमेश ने पीएम मोदी की मणिपुर यात्रा को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मणिपुर में सिर्फ तीन घंटे बिताएंगे। इतने लंबे समय से लोग उनका इंतजार कर रहे थे

और अब सिर्फ तीन घंटे की यात्रा कर रहे हैं। रमेश ने दौरे को बताया मणिपुर के लोगों का अपमान कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ये मणिपुर के लोगों का अपमान है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 29 महीनों से मणिपुर नहीं आए हैं और अब जब आ रहे हैं, तो वह दौरा सिर्फ औपचारिकता लग रहा है। उन्होंने इसे नॉन-विजिट यानी औपचारिक और खोखली यात्रा बताया।

राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति चुनाव पर शिवसेना UBT सख्त, कहा- अनुपस्थित रहने वाले दलों की रद्द हो मान्यता

शिवसेना (उद्धव) ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान को अनिवार्य बनाने की मांग की है। पार्टी ने बीआरएस और बीजद जैसे दलों पर घोड़ाबाजार और दबाव में चुनाव से दूर रहने का आरोप लगाया। 'सामना' के संपादकीय में कहा गया कि ऐसे दलों की मान्यता रद्द होनी चाहिए। पार्टी ने नए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से कानून बनाने की अपील की।शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने शुक्रवार को एक कड़ी मांग उठाते हुए कहा कि देश के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान सभी दलों के लिए अनिवार्य किया जाना चाहिए। पार्टी ने चेतावनी दी कि जो राजनीतिक दल बार-बार 'घोड़ाबाजार' में शामिल होते हैं या चुनाव में अनुपस्थित रहते हैं, उनकी मान्यता रद्द होनी चाहिए।शिवसेना (उद्धव) ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में लिखा कि बीआरएस और बीजद जैसे दल केंद्रीय जांच एजेंसियों से डरकर उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहे। पार्टी ने इसे असंवैधानिक करार दिया और कहा कि ऐसे बर्ताव से लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होती है।उपराष्ट्रपति चुनाव का नतीजा नौ सितंबर को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के बी सुधर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में कुल 15 मतदान अमान्य पाए गए थे। राधाकृष्णन को 452 और रेड्डी को 300 मत मिले। अकाली दल का बहिष्कार मतदान में बीआरएस और बीजेडी ने भाग नहीं लिया था, जबकि राज्यसभा में बीआरएस के चार और बीजेडी के सात सांसद हैं। वहीं, अकाली दल के सांसदों ने बाढ़ के चलते मतदान में हिस्सा लेने से मना कर दिया था शिरोमणि अकाली दल ने इस चुनाव का बहिष्कार किया। उसने आरोप लगाया कि पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों को न राज्य सरकार से मदद मिली, न केंद्र से और न ही कांग्रेस से। इसी वजह से वे मतदान से दूर रहे। नई मांगें और सवाल शिवसेना (उद्धव) ने कहा कि नए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को तुरंत कानून बनाना चाहिए, जिससे राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पदों के चुनाव में घोड़ाबाजार पर रोक लगाई जा सके। पार्टी ने सवाल उठाया कि जब भाजपा के सहयोगी दल भी 'घोड़ाबाजार' की शिकायत करते हैं, तो चुनाव आयोग क्या कर रहा है।विपक्षी दलों की भूमिका संपादकीय में दावा किया गया कि विपक्षी इंडिया गठबंधन के केवल दो से पांच सांसदों ने ही कथित तौर पर धोखा किया। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि क्रॉस-वोट करने वाले सांसदों के लिए विदेश यात्राओं की व्यवस्था की गई। इस तरह शिवसेना (उद्धव) ने साफ किया कि वह संवैधानिक पदों के चुनाव में पारदर्शिता और मजबूती की पक्षधर है।

आठ साल में तीन गुना बढ़ी महिला श्रम भागीदारी, प्रदेश ने बनाया रिकॉर्ड

उत्तर प्रदेश में महिला श्रम भागीदारी दर में ऐतिहासिक उछाल दर्ज हुआ है। 2017 से पहले यह दर केवल 13.5त्न थी, जो अब बढ़कर 34.5त्न तक पहुंच गई है। विकसित यूपी ञ्च2047 के विजन में आत्मनिर्भर नारी और बंपर व्यापार को राज्य की प्रगति का मूल आधार माना गया है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश कई चुनौतियों से घिरा हुआ था। बेरोजगारी दर 6.2 प्रतिशत थी और लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट (एलएफपीआर) मात्र 44.6 प्रतिशत रह गया था। सबसे बड़ी चिंता महिला श्रम भागीदारी दर की थी, जो सिर्फ 13.5 प्रतिशत पर अटकी हुई थी। अब ये बढ़कर 34.5 फीसदी हो गई है।वर्तमान में प्रदेश का एलएफपीआर 44.6 प्रतिशत से बढ़कर 56.9 प्रतिशत हो गया। महिला श्रम भागीदारी दर में भी ऐतिहासिक उछाल आया और यह 13.5 से बढ़कर सीधे 34.5 प्रतिशत तक पहुंच गई। बेरोजगारी दर घटकर 3 प्रतिशत पर आ गई और अकेले एमएसएमई सेक्टर से 1.65 करोड़ रोजगार सृजित हुए। औद्योगिक ऋण 3.54 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 9.24 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा।प्रदेश में पंजीकृत फैक्टरियों की संख्या 14169 से बढ़कर 27295 तक हो गई हैं। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत 77 उत्पादों को जीआई टैग मिला है, जिसके बाद उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर पहले स्थान पर पहुंच गया है।

एमएसएमई इकाइयों की संख्या 96 लाख हो गई, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक प्रदेश में महिला श्रम भागीदारी दर 50 प्रतिशत हो और 2047 तक यह पुरुषों के बराबर पहुंचे।

संपादकीय Editorial

Why is Nepal burning?

Neighboring country Nepal is burning. The youth there have toppled the government. To some extent, like Sri Lanka and Bangladesh. At present, Prime Minister Oli has fled and the army is in command. This country, which was established as a Hindu nation for hundreds of years, was given the status of secular when it came into the hands of the communists. The communists had started knocking on the doors of politics here since the seventies.

Maharaja Birendra Veer Vikram Shah Dev ruled here from 1972 to 2001 i.e. till his death. That year his entire family was murdered and his elder son Dipendra was accused, while the truth was far from that. After his death, his younger brother Gyanendra was made the Maharaja, but he became very unpopular and the people revolted under the leadership of the Maoists. Nepal became a democratic nation from a monarchical state. Power went into the hands of the communists.

This country, which generally remains neutral in India-China relations, started becoming a stooge of China. Both the top leaders of the Communist Party, Prachanda and KP Sharma Oli, followed the Chinese line. Everyone was getting disappointed with Prime Minister Oli's pro-China attitude and working style. He had started behaving like a dictator. He did not have any formula to solve Nepal's problems. He used to reach China for every small thing and take instructions from there. On China's behest, he picked up a fight with India and declared Lipulekh, Kalapani and Limpiyadhura as Nepal's.

Not only this, Oli even gave them a place in his flag. This soured the relations between the two countries. Gradually, the popularity of the communists started decreasing. Along with this, political instability started increasing there. During this period, the Prime Minister was changed 13 times. Three leaders Deuba, Prachanda and Oli kept becoming Prime Ministers one after the other. Political upheaval continued and the country became economically weak and poor where the avenues of employment almost closed.

Being in the lap of Himalayas, it is a big centre of tourism, but due to the large scale bloodshed by the Maoists, the influx of foreigners kept decreasing, which affected employment there. Disappointment and frustration started increasing among the people. The youth started suffering unemployment on a large scale because government jobs were almost non-existent. Some Indian industrialists had set up their plants in the border areas, where the communists kept organizing agitations. China, which became the biggest guide of Nepal, only interfered in power and did nothing for employment.

It did nothing except exporting its products to Nepal as much as possible. Due to large scale exports from China, Nepal's small industries shut down. On the other hand, China kept proposing huge schemes so that Nepal comes into its clutches economically. In such circumstances, violent agitation is now taking place there. This coup is a matter of concern for India.

The culprits of Bihar's backwardness, why did it have to face neglect even after independence?

The impression of Nitish Kumar's good governance is clearly visible on the minds of the people. His government has been in power in the state since 2005. Before the upcoming assembly elections, NDA also got a huge lead in Bihar in the 2024 Lok Sabha elections. In the four assembly by-elections in Bihar in November last year, NDA won all four seats. Three of those seats were earlier with RJD-ML. Bihar's development and its plight are in discussion these days. Parties like RJD and Congress associated with the opposition camp are blaming the ruling NDA government for the backwardness of the state. If their allegation is investigated, then parties like RJD and Congress will be seen most guilty for the current situation of Bihar. Since independence, the Congress-led central governments have treated Bihar step-motherly. Remember that about 40 percent of the country's mineral resources were available in the southern part of undivided Bihar. This is the reason why business groups like Tata set up factories here. The land of North Bihar is considered as fertile as the land of Japan, but the central government did not consider it appropriate to use such natural resources to take the state forward on the path of progress. Neither adequate arrangements were made for irrigation and dams etc. in North Bihar, nor was any arrangement made for the use of minerals. On the contrary, immediately after independence, by introducing the Railway Freight Equalization Rules, the central government limited the benefits for mineral-rich Bihar. The Freight Equalization Rules ended when the Congress stopped getting a majority in the Lok Sabha, but in the meantime Bihar had to remain deprived of benefits worth about Rs 10 lakh crore. Imagine how much development Bihar would have achieved with the amount of Rs 10 lakh crore from 1950 to 1990? The meaning of freight equalization was that the freight charged for transporting minerals from Dhanbad to Patna by train would be the same as the freight charged for transporting them to Mumbai or Chennai. This was not the situation earlier. It was said that equalization was done so that the benefits of industrialization reach all the states equally. Not just those states where minerals are found in abundance. After equalization, there was no compulsion for a company like Tata to come to Bihar from Mumbai or Gujarat to invest capital. The central government should have provided resources for developing the farms of North Bihar in return for equalization of railway freight, but this did not happen. The attention of the then Prime Minister Jawaharlal Nehru was focused on Punjab at that time. In 1955, the Nehru government had allocated about Rs 29,106 lakh for the entire country under the head of irrigation. Out of this amount, only Punjab got Rs 10,952 lakh. During those days, work was also to be done on the Kosi Dam Construction Project. Pandit Nehru told Bihar that we do not have money, so help should be taken from voluntary organizations and the general public in the construction work in Kosi. There are more figures of neglect of Bihar during the Congress rule. According to the Reserve Bank Bulletin, in 1993-94, the central assistance per person for Jammu and Kashmir was Rs 2,291. During the same period, Bihar received assistance of only Rs 192 per person. Whereas Tamil Nadu was allocated Rs 233, Rajasthan Rs 304 and Uttar Pradesh Rs 331. Such neglect of Bihar had started from the First Five Year Plan period itself. As a result, in 1971, Bihar was the poorest state in the country except Odisha. The situation is almost the same even today. After independence, some government undertakings were established in Bihar, but it is not hidden from anyone how successful they were. Instead, if capital had been invested in agriculture, Bihar would have benefited much more. The state developed in all aspects during the rule of the NDA government, which RJD and Congress are accusing. During this period, internal revenue continued to increase. Assistance amount was also received from the Center in the same proportion. After the formation of NDA government at the Center in 2014, special central assistance became easier. The pace of development has increased due to joint efforts of the Central and State governments. Electricity has reached every home in Bihar. A network of roads has been laid. Employment opportunities have increased. Migration has decreased. The figures themselves testify to economic transformation. In the financial year 2005-06, Bihar's budget was Rs 26 thousand 328 crore, which increased to Rs 3 lakh 16 thousand 895 crore in 2025-26. Bihar, which lagged behind in the race of development, has made a comeback, but it is not possible to compensate for the neglect it faced after independence. The impression of Nitish Kumar's good governance is clearly visible on the minds of the people. His government has been in power in the state since 2005. Before the upcoming assembly elections, NDA also got a huge lead in Bihar in the 2024 Lok Sabha elections. In the four assembly by-elections in Bihar in November last year, NDA won all four seats. Three of those seats were earlier with RJD-ML. Snatching seats from these parties is not considered a trivial matter, but this also became possible. In the backdrop of the upcoming assembly elections, most of the voters of Bihar talk about development. They start shuddering just by remembering the 15-year rule of Lalu Prasad-Rabri Devi. They do not want a return to those days at all. Talking about political equations, Lalu Prasad's tried and tested MY i.e. Muslim-Yadav strong vote bank is intact. Muslim votes may not be scattered, but a small section of Yadavs no longer seems as enthusiastic about RJD as before. The support of CPI-ML is increasing the strength of the Mahagathbandhan. While the leadership of Congress is inactive.If this is the case then it is highly dependent on RJD. Only the future will tell how much damage some scattered regional parties and influential independent candidates will cause to NDA or Mahagathbandhan. However, it is definitely visible that in this election of Bihar, the effect of money power is going to be seen like never before. It also remains to be seen how successful will the enforcement agencies be in curbing this?

Impact of neglecting public aspirations, what are the main reasons for violence in Nepal?

Political instability also had a wide impact on policies, from which foreign policy was also not untouched. One government used the 'India-card' and the other used the 'China-card'. People were also upset with the lack of employment opportunities in the country and the lack of good educational institutions. On top of this, seeing the politicization, misuse and corruption of the available structure, their patience was failing. The movement of youth in Nepal toppled the government in the country. The campaign of these youth, called Gen Ji, gained momentum with the Nepal government banning some apps and websites related to internet media. The youth's campaign became so violent with the government's strictness on the protesters that even the resignation of many ministers including the Prime Minister did not work and they had to flee from there to save their lives. The question is arising whether the Oli government's decision to ban internet media companies was correct? From the government's point of view, since the internet media companies rejected the country's autonomous structure, the government had to take strict action in view of the country's law and sovereignty. In such a situation, the question is why Nepal has allowed these platforms to operate till now and why government offices, departments, ministries and ministers were allowed to create and operate these internet media accounts? The simple answer is that the government's intention was to keep internet media under control so that the movement going on it could be weakened. How did such conditions arise? For this, it is important to mention the movement against nepotism in politics and business, i.e. 'Nepo Kids', which ran on internet media last month. Nepal's Gen G generation had launched an open movement, in which the luxurious lifestyle of the children of politicians, former prime ministers and ministers was being targeted. They were also aggressive on issues like more income than income. In such a situation, there was pressure on the government to control internet media. During this time, internet media companies did not register and got the opportunity to ban them. Due to this sudden action, the school-college going generation became angry. In a time when internet media has become a source of income along with common needs, such a reaction of the youth was natural. A protest which was supposed to be peaceful turned violent because the security forces used all their might to suppress it and after that a fire of violence started which does not seem to be pacified till now. If Prime Minister Oli had adopted the path of dialogue, the matter could have been settled. KP Oli has been accused of running the government in a 'dictatorial' manner, in such a situation, the shutdown of the internet seemed like a big blow to the freedom of expression and thoughts. In this way, Nepal reached a strange situation in less than two days. At present, the army has taken the responsibility of the security of the country, but there is no mechanism to run the government. It is expected that here too an interim government will be formed on the lines of Bangladesh and the youth will also get representation in it. Some names are also being discussed to take charge of such a possible government. This is the first time in the political history of Nepal that such a movement was led by people in the age group of 14 to 25. Movements in Nepal have been a common thing. Whether it was the movement of 1990, when political parties demanded the monarchy to lift the ban imposed on them or the mass movement of 2006, which led to the abolition of monarchy in Nepal and the establishment of full democracy. Amidst all this, it would not be right to assume that the ban on internet media was the only reason for this anger. People there were also troubled by corruption. After a ten-year long movement against the centuries-old monarchy system in Nepal, the trumpet of democracy was blown in 2006 and the first democratic election was held in 2008, but the Maoist government could not live up to the trust with which it received full support. The first Prime Minister Pushpa Kamal Dahal alias Prachanda had to resign within a year. Since then, more than a dozen Prime Ministers have been elected in Nepal and no Prime Minister has been able to complete his term. Also, the way KP Sharma Oli of the UML party, Maoist leader Prachanda and Sher Bahadur Deuba of the Nepali Congress preferred to cling on to power under any circumstances through alliances, also increased political instability. Political instability also had a wide impact on policies, from which even foreign policy was not untouched. One government used the 'India card', while the other used the 'China card'. People were also upset with the lack of employment opportunities in the country and the lack of good educational institutions. On top of this, seeing the politicization, misuse and corruption of the available infrastructure, their patience started to wear thin. Due to this, a large part of the population left the country in search of better opportunities.

टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में सड़क पर उतरे शिक्षक, मुरादाबाद में नारेबाजी, सीएम को भेजा गया ज्ञापन

टीईटी अनिवार्य करने के विरोध में महिला शिक्षक संघ मुरादाबाद ने प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री और

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ ने कहा कि पुराने शिक्षकों को टीईटी से छूट देने चाहिए। जिससे नौकरी छिनने का खतरा नहीं हो।शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के अनिवार्य किए जाने के विरोध में शिक्षक सड़क पर उतरे। नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ मुरादाबाद के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम से जिलाधिकारी और बीएसए को ज्ञापन दिया।जिला अध्यक्ष डॉ. ऋतु त्यागी ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 से लागू है। 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की अर्हता में टीईटी सम्मिलित नहीं था जबकि उच्चतम न्यायालय के उपरोक्त निर्णय में 27 जुलाई 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।इस निर्णय से 30 से 35 वर्ष पूर्व नियुक्त शिक्षकों को भी टीईटी पास करना अनिवार्य है। हमारी मांग है कि इस मामले को संज्ञान में लेते हुए शिक्षकों के हित में कार्यवाही की जाए। इससे शिक्षकों को नौकरी से निकाले जाने का भय समाप्त हो जाए। इस मौके पर जिला महामंत्री पूनम सक्सेना, अलका रानी वर्मा, पुष्पा यादव, ज्योति गोस्वामी, प्रेमलता गौड़ आदि मौजूद रहीं। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ में भी नाराजगी राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश व अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर प्रदेश के सभी जिलों में टीईटी समस्या के समाधान के लिए शिक्षक 15 सितंबर को पीएम के नाम डीएम को ज्ञापन सौंपेंगे। प्रदेश महामंत्री जोगेंद्र पाल सिंह ने कहा कि कक्षा आठ तक पढ़ने वाले सभी शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्य कर दी गई है। इससे प्रदेश के हजारों शिक्षकों की सेवा सुरक्षा व आजीविका को संकट में डाल सकती है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता ने भी विचार रखे। महामंत्री प्रो. गीता भट्ट ने कहा कि इस निर्णय से हजारों शिक्षक प्रभावित होंगे। यह स्थिति शिक्षकों के मनोबल को तोड़ेगी व शिक्षा व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी।

जमीन के विवाद में जमकर पथराव, मुंडिया मलूकपुर में पशुओं के अवशेष मिलने से हड़कंप

मुरादाबाद - पाकबड़ा के धनपुरा गांव में जमीन के विवाद को लेकर पथराव हो गया। इसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उधर, मुंडिया मलूकपुर में पशुओं के अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया। पाकबड़ा थाना क्षेत्र के धनपुरा गांव में बृहस्पतिवार दोपहर जमीन के विवाद में चाचा-भतीजे के परिवार में जमकर पथराव हो गए। दोनों पक्षों ने एक धनपुरा गांव में महबूब और जा रहा है कि दोनों परिवारों बृहस्पतिवार को दोनों के में बदल गया। देखते ही जमकर लाठी-डंडे चले। घरों गांव में भगदड़ मच गई। हो गए। घायलों में एक पक्ष दूसरे पक्ष से सुहेल और शाहे का आरोप लगाते हुए तहरीर का कहना है मामले की जांच कंपोजिट स्कूल के ताले नगर कंपोजिट विद्यालय के

हुआ। जिसमें दोनों पक्षों के पांच लोग घायल दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है। पाकबड़ा के उसके भतीजे सुहेल के परिवार रहते हैं।बताया में जमीन के लिए विवाद चल रहा है। बीच कहासुनी से शुरू हुआ झगड़ा मारपीट देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और की छतों से पथराव किया गया।इस दौरान पथराव में दोनों परिवारों के पांच लोग घायल के महबूब अली और मोहम्मद हसन और आलम हैं। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले पुलिस को दी है। थाना प्रभारी योगेश कुमार कर कार्रवाई की जाएगी। कांशीराम नगर के तोड़कर चोरी मझोला थानाक्षेत्र के कांशीराम ताले तोड़कर चोर सामान चोरी कर ले गए। बुधवार सुबह विद्यालय खुलने पर चोरी की जानकारी हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्य रत्नेश बाला ने दर्ज कराए केस में बताया कि मंगलवार देररात चोर विद्यालय में घुस गए और प्रधानाचार्य कक्ष से चार बैटरियां, इनवर्टर, सीसीटीवी कैमरे, स्पीकर, एलसीडी चोरी कर ले गए। सामान चोरी होने से स्मार्ट क्लास का संचालन रुक गया है। इससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि चोरों की तलाश की जा रही है। मारपीट में घायल वृद्ध की हालत गंभीर, मेरठ रेफर कांठ थाना क्षेत्र के गांव बेगमपुर निवासी जिले सिंह और सूरज सिंह में मंगलवार को कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि बुधवार की सुबह सूरज सिंह और उसके बेटे हाथों में लाठी-डंडे, सरिया और धारदार हथियार लेकर जिले सिंह के घर में घुस आए और जमकर मारपीट की थी। मारपीट में जिले सिंह और उनका बेटा विवेक कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दोनों को सीएचसी ने जिला अस्पताल रेफर किया गया था, जहां से डॉक्टरों ने जिले सिंह को मुरादाबाद के लिए रेफर कर दिया था। बाद में मेरठ के लिए रेफर कर दिया, जहां पर उनकी हालत अभी भी गंभीर है। दुष्कर्म के प्रयास में पति समेत छह पर केस दर्ज ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पति व ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न व ननदोई पर दुष्कर्म का प्रयास और विरोध पर गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति, ननदोई समेत छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसका निकाह उधमसिंह नगर के थाना कुंडा क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से दो साल पहले हुआ था। शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज के लिए उसका उत्पीड़न करते थे। आरोप लगाया कि 27 नवंबर 2024 को ननदोई ने उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। उसने विरोध किया तो ससुराल वालों ने उसे नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया और उसका गर्भपात करा दिया। होश आने पर उसने मायके वालों को सूचना दी तो वह पहुंचे और उसे अपने साथ ले आए। इस संबंध में पुलिस को तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने महिला के पति व ननदोई समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्लॉट के विवाद में दो पक्ष भिड़े, फायरिंग मझोला थाना क्षेत्र के गागन वाली मैनाठेर में प्लॉट के विवाद में दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। इस दौरान फायरिंग भी की गई। दोनों पक्षों ने केस दर्ज कराया है। मझोला के गागन वाली मैनाठेर निवासी जहीर और मुसर्रफ के बीच प्लॉट को लेकर विवाद चल रहा है। मुसर्रफ ने दर्ज कराए केस में बताया कि मंगलवार शाम करीब साढ़े छह बजे उसके दो बेटे शमी और जीशान कहीं से घर लौट रहे थे। आरोप लगाया कि इसी दौरान जहीर, उसके भाई शाने आलम, बेटे अबुल, अशरफ, उसके बेटे मुजम्मिल व सालिम ने शमी और जीशान को घेर लिया और मारपीट की। इसी दौरान तमंचे से फायर भी किया। दूसरी ओर से जहीर की पत्नी नुसरत ने केस दर्ज कराया है। जिसमें उसने बताया कि बेटा अबुल दवा लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान मुसर्रफ, उसके बेटे मो. शमी व जीशान और नौशाद, उसके भाई इमरान और इरशाद ने अबुल को घेर लिया और हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गया। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों ने केस दर्ज कराया है। मुगलपुरा में किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार मुगलपुरा थानाक्षेत्र में युवक ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने किशोरी की मां की तहरीर पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की मां ने दर्ज कराए केस में बताया कि दो सितंबर की शाम वह घर से बाहर गई थी। घर में उसकी 17 वर्षीय बेटी मौजूद थी। इसी दौरान मुगलपुरा थानाक्षेत्र के वारसी नगर निवासी अनस उसके घर में घुस गया और आरोपी ने पीड़िता की बेटी के साथ दुष्कर्म किया। किशोरी के विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी धमकी देकर मौके से भाग गया था। सीओ कोतवाली सुनीता दहिया ने बताया कि आरोपी अनस को बृहस्पतिवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। मुंडिया मलूकपुर में पशुओं के अवशेष मिलने पर मचा हड़कंप मूंढापांडे थानाक्षेत्र के मुंडिया मलूक के जंगल में बृहस्पतिवार की सुबह पशुओं के अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया। इसकी जानकारी मिलने पर आस पड़ोस के गांवों के लोग मौके पर जुट गए और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और गड्ढा खुदवाकर अवशेष दबा दिए। बृहस्पतिवार की सुबह मुंडिया मलूकपुर के लोग अपने खेतों पर जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि जंगल में ईदगाह के पास पशु के अवशेष पड़े हैं। इसकी जानकारी मिलने पर मुंडिया मलूकपुर समेत अन्य गांवों के लोग भी आ गए। सूचना पर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह, सीओ हाईवे राजेश कुमार, एसएचओ मोहित चौधरी मौके पर पहुंच गए और फोरेंसिक टीम बुला ली। टीम ने जांच पड़ताल कर नमूने लिए। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

मुरादाबाद कमल हत्याकांड: मुठभेड़ में घायल हिस्ट्रीशीटर सनी की हालत बिगड़ी, अब भाजपा नेता समेत अन्य की तलाश

कमल चौहान हत्याकांड के मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर की पुलिस मुठभेड़ में दोनों पैरों में गोली लगने के बाद हालत बिगड़ गई। उसे गंभीर हालत में मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कमल चौहान की हत्या के मामले में सनी समेत छह आरोपियों पर केस दर्ज है। पुलिस भाजपा नेता समेत अन्य की तलाश की जा रही है। मुरादाबाद पुलिस की मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर की हालत बिगड़ गई। उसके दोनों पैरों में गोली लगी है। बृहस्पतिवार को उसे जिला अस्पताल से रेफर कर दिया गया है। कमल चौहान हत्याकांड के मुख्य आरोपी सनी को मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। रविवार की शाम दस सराय पुलिस चौकी के पास हिंदू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं हिस्ट्रीशीटर कमल चौहान की हत्या की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के समय वह अपने दोस्त विशाल शर्मा के साथ स्कूटी से भदौड़ा दुर्गेश नगर स्थित अपने घर लौट रहा था। इस मामले में कमल चौहान के भाई संजय ने मोहल्ले में रहने वाले हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर, मोनू पाल, विक्की दिवाकर, निहाल वाल्मीकि, सुभाष यादव, नकुल यादव के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था। मंगलवार की दोपहर पुलिस ने कटघर क्षेत्र के गोट के जंगल में सनी के दोनों पैरों में गोली मारकर उसे दबोच लिया था। एक पैर के घुटने में लगी गोली से उसकी हालत बिगड़ गई थी। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। बृहस्पतिवार को पुलिस उसे मेरठ मेडिकल कॉलेज ले गई और भर्ती करा दिया है। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष समेत सात आरोपियों की तलाश कर रही पुलिस कमल चौहान हत्याकांड में भाजपा मंडल अध्यक्ष मोनू पाल समेत सात आरोपियों की पुलिस तलाश में जुटी है। पुलिस की एक टीम ने उत्तराखंड के रामनगर में दबिश दी लेकिन हत्यारोपी पुलिस के हाथ नहीं आए हैं। आरोपी मोनू पाल पार्षद का चुनाव भी लड़ चुका है। कटघर क्षेत्र में नशे के कारोबार और वर्चस्व की लड़ाई में कमल चौहान की हत्या करने वाले फरार आरोपी मोनू पाल, विक्की दिवाकर, निहाल वाल्मीकि, सुभाष यादव, नकुल यादव, लकी यादव और अनमोल कश्यप अब तक पुलिस के हाथ नहीं आए हैं।हिस्ट्रीशीटर सनी दिवाकर से पूछताछ में ही लकी यादव, अनमोल और उसकी पत्नी पूजा के नाम सामने आए हैं। पुलिस पूजा को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बाकी आरोपी अब तक हाथ नहीं आए हैं। भदौड़ा निवासी मोनू पाल भाजपा में दस सराय मंडल में उपाध्यक्ष बताया जा रहा है।इसके अलावा से पार्षद का टिकट न मिलने पर वह निर्दलीय चुनाव लड़ा था हालांकि इस चुनाव में यह जीत नहीं पाया। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी उत्तराखंड के रामनगर में मौजूद हैं। पुलिस की एक टीम रामनगर गई लेकिन पुलिस को सफलता नहीं मिल पाई है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि हत्याकांड से जुड़े सभी आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

प्रीपेड मीटर सिर्फ नाम का स्मार्ट... रीडिंग भरपूर, बिल पहुंच से दूर, मुरादाबाद मंडल के उपभोक्ता परेशान

मुरादाबाद जोन में लगाए जा रहे बिजली के प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। कई कॉलोनियों में छह माह से बिल जारी नहीं हुए, वहीं कई उपभोक्ता मीटर तेज चलने और गलत बिल आने की शिकायत कर रहे हैं। रोजाना समाधान शिविरों व बिजली विभाग में शिकायतें पहुंच रही हैं। लोगों के घरों में लगाया जा रहा बिजली का प्रीपेड मीटर सिर्फ नाम से स्मार्ट है। कई कॉलोनियों में छह माह से लोगों के बिजली के बिल नहीं आ रहे हैं। लगा रहे हैं, उनका कहना है कि बिल गलत आ रहा है।लाइनपार के मंडी है। उनके यहां स्मार्ट मीटर लगा है, रामवती की शिकायत है कि उनका कर चुकी हैं लेकिन समाधान नहीं हुआ। यह समस्या सिर्फ रामवती की लगाया जा चुका है। समाधान शिविरों और विद्युत अधिकारियों के जोन में मुरादाबाद, रामपुर व संभल जिलों के विद्युत वितरण की जिम्मेदारी हैं जिनमें से 1.60 लाख के घरों में ही स्मार्ट मीटर लगे हैं। जोन में इंटेली कंपनी के पास संसाधनों व स्टाफ की कमी के कारण मीटर लगाने का बाजार के कोठीवाल नगर में गौरव कोहली का चार किलोवाट का विद्युत लाइनमैन से लेकर जेई तक से शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई नतीजा कि उन्हें मीटर की रीडिंग कैसे पता चलेगी और बिल कब आएगा।

दूसरी ओर कई ऐसे भी हैं जो मीटर तेज चलने का आरोप समिति क्षेत्र में रमावती का दो किलोवाट का विद्युत कनेक्शन बिल ज्यादा आ रहा है। तीन महीने में कई बार शिकायत नहीं है।जिले में करीब 60 हजार घरों में स्मार्ट मीटर दफ्तरों में रोजाना ऐसी शिकायतें आ रही हैं। मुरादाबाद है। तीनों जिलों में कुल 13 लाख से अधिक विद्युत उपभोक्ता स्मार्ट कंपनी प्रीपेड मीटर लगाने का काम कर रही है। काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। केस नंबर- बुध कनेक्शन है। उनका छह माह से बिल नहीं आया है। नहीं निकला। उपभोक्ता इस बात को लेकर असमंजस में हैं उनका कहना है कि अभी बिल नहीं मिल रहा है, बाद में विद्युत निगम अचानक हजारों रुपये के बकाये का नोटिस भेजेगा और लाइन काट दी जाएगी। केस नंबर- दो रामेश्वर कॉलोनी में विशनपाल सिंह के यहां दो किलोवाट का मीटर लगा है। उन्होंने बताया कि वह हर माह बिल जमा करते हैं लेकिन पिछले दो माह से उन्हें बिजली का बिल नहीं मिला है। मीटर रीडर अब उनके मीटर से रीडिंग ही नहीं लेते हैं। उपभोक्ता इस बात को लेकर परेशान हैं कि बिना रीडिंग के विभाग को कैसे पता चलेगा कि उन्होंने कितनी यूनिट बिजली खर्च की है। उन्हें गलत बिल मिलने का खतरा सता रहा है। यूपीपीसीएल स्मार्ट एप से मिलेगी मीटर व बिल की जानकारी विद्युत निगम ने प्रीपेड मीटर लगाने के साथ ही यूपीपीसीएल स्मार्ट एप तैयार किया है। इसे गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। मुख्य अभियंता एके चौरसिया का कहना है कि इस एप के जरिए उपभोक्ता अपने मीटर ल बिल से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही अपने बिल का ऑनलाइन भुगतान भी कर सकते हैं। उपभोक्ताओं की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के लिए जोन के 184 बिजलीघरों के अलग-अलग व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं। इन ग्रुपों में उपभोक्ताओं को जोड़ा जा रहा है। जेई से लेकर चीफ इंजीनियर तक इसमें शामिल रहेंगे। विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या मुरादाबाद शहर - 2.2 लाख मुरादाबाद देहात - 4.3 लाख रामपुर शहर - 1.7 लाख रामपुर देहात - 2.2 लाख संभल शहर - 1.5 लाख संभल देहात - 1.9 लाख स्मार्ट मीटर की बिलिंग चेक करने के लिए पांच फीसदी उपभोक्ताओं के घरों में पुराना मीटर भी चालू रहने दिया गया है। दो माह तक निगरानी की जा रही है। दोनों मीटरों में समान रींडिंग देखने को मिल रही है। बाकी शिकायतों पर कार्रवाई के लिए जेई से एसई तक सभी को निर्देशित किया गया है। - एके चौरसिया, मुख्य अभियंता

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

थाने में बाल पकड़कर युवक को थप्पड़ मारने वाले दरोगा निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली के सिरौली थाने में युवक को थप्पड़ मारने वाले दरोगा सत्येंद्र सिंह यादव दिया गया है। गांव शीशपाल चोरी की सिरौली थाने पहुंचा थाने में तैनात दरोगा ने उसे गेट पर ही थाने आने का साथ ही उसकी की जाति सुनकर दरोगा ने शिशुपाल

को निलंबित कर संग्रामपुर निवासी शिकायत करने था। आरोप है कि सत्येंद्र सिंह यादव रोक लिया और कारण पूछा। इसके जाति पूछी। युवक दरोगा भड़क गए। के बाल पकड़े और थप्पड़ मारे। दरोगा ने उसे नशे की हालत में बताया था। वहां मौजूद उसके साथी ने वीडियो लिया। यह शुक्रवार को वायरल हो गया। इसके बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने थाना सिरौली से दरोगा सत्येंद्र सिंह यादव के संबंध में रिपोर्ट मांगी। इसके बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने दरोगा सत्येंद्र सिंह यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इंस्पेक्टर ने एसएसपी को भेजी रिपोर्ट थाना सिरौली के इंस्पेक्टर क्राइम भारत सिंह ने बताया कि घटना दो दिन पहले की है। वीडियो वायरल के संबंध में अधिकारियों ने रिपोर्ट मांगी है। जिसे प्रेषित कर दिया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि युवक नशे की हालत में लग रहा था। वह अपने मोबाइल फोन चोरी की शिकायत करने आया था , लेकिन दरोगा जी भी अपना होश खो बैठे। पूरी रिपोर्ट एसएसपी को भेज दी गई है।

बदायूं के लोगों की हुई वतन वापसी, तिरंगा लहराकर जताई खुशी; नेपाल में फंस गए थे 23 लोग

सात सितंबर से नेपाल में फंसे बदायूं के 23 श्रद्धालुओं में 14 लोगों का पहला जत्था शुक्रवार को दिल्ली पहुंचा गया। दूसरा जत्था दोपहर करीब दो बजे वहां से रवाना हो गया है। वतन वापसी होने पर लोगों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर तिरंगा लहराकर खुशी जताई। बदायूं के 23 श्रद्धालुओं में से 14 लोगों की वतन वापसी हो गई है। ये लोग नेपाल में हिंसक प्रदर्शन के बीच वहां फंस गए थे। इन 14 लोगों को लेकर काठमांडू से पहली फ्लाइट ने सुबह 10.30 बजे उड़ान भरी। यह फ्लाइट दोपहर करीब 12.30 बजे दिल्ली पहुंची। वतन वापसी होने पर लोगों ने दिल्ली एयरपोर्ट पर तिरंगा लहराकर खुशी जताई। दूसरा जत्था

दोपहर दो बजे रवाना होकर शाम करीब चार बजे दिल्ली पहुंच जाएगा। ये श्रद्धालु बीते सात सितंबर को हवाई जहाज से नेपाल पहुंचे थे। वहां पशुपतिनाथ मंदिर, जनकपुरी तथा मुक्तिधाम के दर्शन के लिए काठमांडू गए थे। हिंसक प्रदर्शन होने के कारण वहां फंस गए थे। उन्होंने कठिन समय गुज़ारा। अब भारत सरकार, भारतीय दूतावास और नेपाल प्रशासन की मदद से उनकी सकुशल वापसी की व्यवस्था की गई। जिसके बाद उनको वहां से सुरक्षित रवाना किया गया। श्रद्धालुओं को दिल्ली से घर तक लाने के लिए बदायूं से भाजपा नेता अपने-अपने वाहनों से दिल्ली पहुंच गए हैं। वहां से श्रद्धालुओं को लेकर इस्लामनगर के लिए रवाना होंगे। परिजन अपनों के आने का इंतजार व स्वागत करने की तैयार कर रहे हैं। जेल का ताला तोड़ कैदियों को निकाला गया श्रद्धालुओं ने फोन पर परिजनों को बताया कि वह काठमांडू के मेरिडियन होटल में रुके। यह होटल जिस इलाके में हैं, उसी के पास संसद भवन और कुछ राष्ट्राध्यक्षों के आवास भी हैं। समीप की एक बड़ी जेल से उपद्रवियों ने कैदियों को निकालने का प्रयास किया। जेल का ताला तोड़कर कैदियों को बाहर लाया गया और फिर पूरे इलाके में लूटपाट, तोड़फोड़ और आगजनी शुरू हो गई। उपद्रव के कारण यह लोग (श्रद्धालु) भयभीत होकर होटल में ही दुबके रहे। होटल स्टाफ ने उपद्रवियों को अंदर घुसने से रोकने का हरसंभव प्रयास किया। पास के एक अन्य होटल में आगजनी होते देख वह लोग भयभीत हो गए थे। सभी ने हाथ जोड़कर भगवान से प्रार्थना की कि वे सकुशल अपने घर लौट जाएं। उधर, नेपाल में अशांति के बीच जिले के बिनावर के चार और दातागंज के दो लोग फंसे हुए हैं। आठ सितंबर को शुरू हुई थी हिंसा श्रद्धालुओं ने बताया कि वह लोग सात सितंबर को काठमांडू पहुंचे थे। अगले दिन आठ सितंबर से हिंसा शुरू हो गई। उपद्रव बढ़ने से उसी दिन होटल की बिजली काट दी गई और खाना बनाने वाला स्टाफ तक भाग गया। श्रद्धालुओं को एक दिन तो अपने स्तर पर खाने-पीने की व्यवस्था करनी पड़ी। बाद में दूतावास की पहल पर दवाइयां और अन्य आवश्यक सामान पहुंचाया गया। धीरे-धीरे बिजली-पानी और भोजन की व्यवस्था बहाल की गई। प्रत्यक्षदर्शी ने सुनाया भयावह अनुभव नेपाल में फंसे श्रद्धालु संजय शंखधार ने बताया कि होटल के बाहर तांडव मचा था। उपद्रवी हर चीज लूट रहे थे, रोकने वालों के साथ मारपीट कर रहे थे। पुलिस भी मौके से भाग गई थी। बाद में सेना ने हालात संभाले। पेट्रोल पंप स्वामी वीरेंद्र बॉबी ने कहा कि एक पल को तो लगा अब सब खत्म हो जाएगा। मगर भगवान की कृपा से सभी सकुशल रहे।

पार्किंग शुल्क को लेकर गंगानगरी ब्रजघाट में हंगामा, खूब हुई धक्का-मुक्की; युवती ने मारा कर्मी को थप्पड़

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में हरियाणा के जनपद भिवानी के गांव लक्ष्मण की ढानी से आए श्रद्धालु अभद्रता करने का आरोप लगाकर हंगामा करते हुए नजर आ रहे हैं।पार्किंग शुल्क मांगे जाने पर भड़के हरियाणा के कर्मियों के साथ धक्का मुक्की हो सोशल मीडिया पर वायरल होते तीन लोगों को हिरासत में लेकर ब्रजघाट में हाईवे किनारे गैस्ट पार्किंग स्थल में शुक्रवार की

श्रद्धालुओं की पार्किंग गई। जिसका वीडियो ही हरकत में आई पुलिस जांच कर रही।मुक्ति धाम हाउस के पास वाले दोपहर को शुल्क मांगे जाने पर हंगामा होने से अफरा तफरी का माहौल बन गया। संबंधित मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई, जिसने मौके पर पहुंचकर तीन पार्किंग कर्मियों को हिरासत में लेकर जांच प्रारंभ कर दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में हरियाणा के जनपद भिवानी के गांव लक्ष्मण की ढानी से आए श्रद्धालु अभद्रता करने का आरोप लगाकर हंगामा करते हुए नजर आ रहे हैं। पार्किंग ठेकेदार का कहना है कि शुल्क मांगे जाने पर हरियाणा से आए श्रद्धालुओं ने गाली देते हुए धक्का मुक्की कर दी थी, परंतु पार्किंग कर्मियों द्वारा कोई भी मारपीट अथवा अभद्रता नहीं की गई है। सीओ स्तुति सिंह का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के आधार पर पुलिस द्वारा तीन पर्किंग कर्मियों को हिरासत में लेकर जांच कर रही है। जिसके आधार शांति भंग का प्रयास करने वालों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

इस्लामिया इंटर कॉलेज से छात्र लापता घर नहीं लौटा तो परिजनों में मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । कैंट थाना क्षेत्र से एक छात्र रहस्यमय हालात में लापता हो गया। छात्र इस्लामिया विद्यार्थी है। रोज की तरह लिए घर से निकला था, लौटने पर परिवार वालों जगह तलाश करने के बाद तो परिजनों ने कैंट थाने थाना क्षेत्र के ठिरिया 4 निवासी मकसूद खान

इंटर कॉलेज में कक्षा 9 का बुधवार सुबह वह पढ़ने के लेकिन देर शाम तक घर न की चिंता बढ़ गई। तमाम भी जब कोई पता नहीं चला में गुमशुदगी दर्ज कराई है। निजावत खान, वार्ड नंबर उर्फ नन्हा का 16 वर्षीय बेटा अरमान इस्लामिया इंटर कॉलेज में पढ़ता है। पिता का कहना है कि बुधवार सुबह करीब सात बजे अरमान रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकला था। सामान्य दिनों में वह दोपहर या शाम तक घर लौट आता था, लेकिन बुधवार को जब वह देर शाम तक वापस नहीं आया तो घरवालों को चिंता सताने लगी। परिवार वालों ने सबसे पहले रिश्तेदारों और नजदीकी दोस्तों के घर जाकर तलाश शुरू की। इसके बाद मोहल्ले और स्कूल के आसपास भी ढूंढा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। अरमान का मोबाइल भी परिजनों के पास ही था, जिससे उसकी लोकेशन का पता लगाना मुश्किल हो गया। परेशान पिता मकसूद खान ने आखिरकार कैंट थाने पहुंचकर तहरीर दी। उन्होंने पुलिस से बेटे की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाते हुए आशंका जताई है कि कहीं अरमान के साथ कोई अनहोनी न हो गई हो। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर छात्र की तलाश शुरू कर दी है।

45 जोड़ों के होंगे निकाह कराएगी हजरत शाह सकलैन एकेडमी, तोहफे में मिलेगा घरेलू सामान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।12 सितम्बर हजरत शाह सकलैन मियां हजूर के दूसरे वार्षिक उर्स के अवसर पर इस साल भी हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया की ओर से बड़े पैमाने पर सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर शुक्रवार को मोहल्ला शाहबाद स्थित शाह सकलैन एकेडमी ऑफिस में एक प्रेस वार्ता आयोजित हुई,

जिसकी अध्यक्षता एकेडमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर इस्माईल कुरैशी ने की। डॉ. कुरैशी ने जानकारी दी कि 14 सितम्बर, रविवार की शाम को बिशप मंडल इंटर कॉलेज के मैदान में इज्तिमाई निकाह (सामूहिक विवाह) कार्यक्रम होगा, जिसमें करीब 45 गरीब व जरूरतमंद जोड़ों के निकाह कराए जाएंगे। सभी जोड़ों को एकेडमी की तरफ से घरेलू ज़रूरत का सामान तोहफे में दिया जाएगा। एकेडमी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी लतीफ कुरैशी ने बताया कि संगठन पिछले तीस वर्षों से समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय है। देशभर के विभिन्न शहरों जैसे मुंबई, मालेगांव, सूरत, अहमदाबाद, भोपाल, दिल्ली, झांसी, काशीपुर, मुरादाबाद और बदायूं आदि में हर साल सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा एकेडमी विधवाओं को सिलाई मशीन, बच्चों की शिक्षा, फ्री मेडिकल सेवाएं और सर्दियों में कंबल वितरण जैसी सेवाएं भी करती है। सेक्रेट्री जनरल हमज़ा सकलैनी ने बताया कि 24 सितम्बर से 28 सितम्बर तक हज़रत शाह सकलैन मियां हजूर का दूसरा वार्षिक उर्स मनाया जाएगा, जिसमें यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम दरगाह शराफ़त मियां के प्रमुख व सज्जादानशीन हज़रत ग़ाज़ी मियां हजूर की सरपरस्ती में संपन्न होगा। इस मौके पर नामवर उलमा-ए-किराम खिताब फरमाएंगे।

महिला ने सीएम को खून से लिखा पत्र: बोली- दूसरे समुदाय की युवती ने पति को फंसा लिया है; मेरी जिंदगी बचा लीजिए

रायबरेली की महिला ने सीएम योगी को खून से पत्र लिखा। बोली- दूसरे समुदाय की युवती ने पति को लव जेहाद में फंसा लिया है। मेरी जिंदगी बचा लीजिए। युवती ने पति को फंसाकर उसे घर से निकलवा दिया रायबरेली में पति और उत्पीड़न से परेशान योगी को खून से पत्र मांगा है। महिला का दूसरे समुदाय की युवती लव जिहाद में फंसा पति के सामने ही उसे

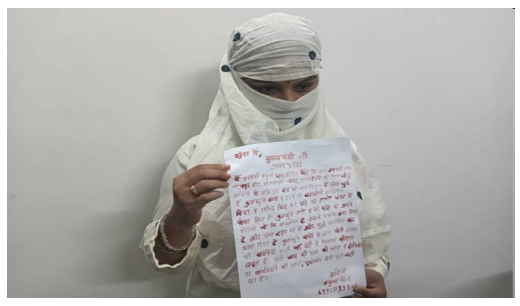

है।यूपी के उसकी प्रेमिका के महिला ने सीएम लिखकर इंसाफ आरोप है कि ने उसके पति को लिया है। उसने पीटा। पति को भड़काकर जबरन घर से निकलवा दिया। युवती का इरादा उसके पति की प्रॉपर्टी पर कब्जा करना है। मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।मूल रूप से प्रतापगढ़ की रहने वाली महिला ने सीएम को एक पत्र भेजा। इसमें लिखा कि करीब 11 साल पहले रायबरेली निवासी युवक के साथ उसकी शादी हुई थी। उनको दो बेटे हैं। करीब छह महीने पहले छोटा बेटा बीमार हो गया था। बेटे के इलाज के लिए लखनऊ आना-जाना लगा था। इधर, रायबरेली शहर के रहने वाले दो लोगों ने उसके पति को दूसरे समुदाय की युवती से मिलवा दिया। युवती ने पति को लव जिहाद के जरिये अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। पति ने युवती के नाम एक फर्म खोल दी है। इसी फर्म के नाम पर अब तक पति ने युवती को लाखों रुपये दे दिए हैं। सीएम को पत्र लिखने के बाद पुलिस हरकत में आई युवती अब उनके मकान समेत अन्य प्रॉपर्टी पर कब्जा करने का प्रयास कर रही है। उसने न्याय के लिए पुलिस-प्रशासन के अफसरों से मुलाकात की। लेकिन, न्याय नहीं मिला। इस पर महिला ने खून से पत्र लिखकर सीएम योगी से न्याय मांगा है। सीएम को पत्र लिखने के बाद पुलिस हरकत में आई है। पीड़िता के मुताबिक, युवती को उनके पति से मिलवाने वाले दोनों युवक उसे लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इससे वह और उसके बेटे घबराए हुए हैं। डर के मारे उन्हें अपने मायके में रहना पड़ रहा है। युवती के जरिये वो दोनों युवक उनके पति से रुपये ऐंठ रहे हैं। दोनों युवक और युवती मिलकर पति को उसके प्रति भड़का रहे हैं। युवक दबंग किस्म के हैं। आरोपियों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वह आत्महत्या कर लेगी। पति ने भी पत्नी के खिलाफ केस दर्ज कराया है सीओ सदर अमित सिंह ने बताया कि मामले में लव जिहाद जैसी कोई बात नहीं है। दंपती के बीच आपसी विवाद चल रहा है। महिला ने पति के खिलाफ काफी पहले एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है। एक सप्ताह पहले पति ने भी पत्नी के खिलाफ फर्जी तरीके से परेशान करने का केस दर्ज कराया है। खून से पत्र लिखने के मामले की जानकारी पीड़िता की तरफ से नहीं दी गई थी। हालांकि, अब मीडिया के माध्यम से मामला संज्ञान में आया है। जांच कराई जा रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल में तीन दिवसीय तनाव प्रबंधन पाठशाला का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बुखारा उक्त पाठशाला में निमहांस (बंगलरू) से प्रशिक्षित सहायक सेनानी, ओंकार सिहं ने तनाव के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे तथा विभिन्न प्रकार की बल में प्रचलित योजनाओं के विषय में बल कर्मियों को जानकारी प्रदान की गई। उक्त कार्यशाला में श्री उदयवीर सोरोत, सेनानी (स्टॉफ) क्षे0मु0 (बरेली) महोदय ने अपने संबोधन में जवानों को तनाव से दूर रहने के उपायों के विषय में विस्तार से बताया गया। उक्त कार्यशाला का विधिवत् समापन श्री अवनीश, उप महानिरीक्षक क्षे0 मु0 (बरेली) द्वारा किया गया, उप महानिरीक्षक महोदय द्वारा जवानों को तनाव से मुक्त रहने की यूक्तियों के बारे में प्रकाश डाला और जावानों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

जागरण संचालक ने किशोरी से की अश्लीलता की कोशिश मुकदमा हुआ दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली, रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा के मोहल्ला जादवपुर का महेश सांवरिया जागरण पार्टी चलाता है। जिसमें तमाम नाबालिग बच्चे झांकियों में काम करते हैं। पांच सितंबर को एक नाबालिग लड़की को कार्यक्रम के बहाने बुलाकर एक अन्य साथी के साथ जबरन उसे कार में डालकर ले गए। नैनीताल में लड़की से अश्लीलता की कोशिश की गई। जिसका लड़की ने किसी तरह विरोध कर अपने आप को उनसे बचाते हुए घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना कु जानकारी दी। पीड़िता के पिता ने थाना हाफिजगंज में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने महेश सांवरिया को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया।

अब्दुल्ला आजम और भाजपा नेता शानू बरी, आप नेता फैसल लाला मारपीट मामले में कोर्ट का फैसला

आम आदमी पार्टी के नेता फैसल खान लाला से मारपीट और धमकाने के मामले में सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम और भाजपा नेता फसाहत अली खां शानू को कोर्ट ने बरी कर दिया है। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने साक्ष्य के

अभाव में शुक्रवार को यह फैसला सुनाया।फैसल लाला ने वर्ष 2019 में गंज कोतवाली में दोनों नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि उन्होंने मारपीट, धमकी और अभद्रता की। पुलिस ने जांच के बाद चार्जशीट अदालत में दाखिल की थी। इसके बाद एमपी-एमएलए कोर्ट में मामले की सुनवाई चली।शुक्रवार को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने सबूतों के अभाव में अब्दुल्ला आजम और फसाहत अली खां शानू को बरी कर दिया।

साइबर क्राइम करने वाले छह जालसाज गिरफ्तार, 26 लाख नकद... 1.30 करोड़ की क्रिप्टो करेंसी बरामद

राजधानी में साइबर क्राइम करने वाले छह जालसाज गिरफ्तार किए गए हैं। इनके पास से 26 लाख नकद व 1.30 करोड़ की क्रिप्टो करेंसी बरामद हुई हैं। बीबीडी पुलिस ने किसान पथ से आरोपियों को दबोचा है। ये म्यूल खातों का प्रयोग करके ठगी की रकम मंगवाते थे।राजधानी लखनऊ में अलग-अलग तरह से लोगों से साइबर क्राइम की घटनाओं को अंजाम देने वाले छह जालसाजों को बीबीडी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 26 लाख रुपये नकद और 1.30 करोड़ रुपये कीमत की क्रिप्टो करेंसी के अलावा अन्य सामान मिला है। आरोपी ठगी की रकम मंगाने के लिए सीधे-साधे लोगों के बैंक खातों का प्रयोग करते थे। अब तक की जांच में पता चला है कि ये 14.80 करोड़ रुपये अलग-अलग म्यूल खातों में मंगवा चुके हैं।डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर किसान पथ स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के एक मकान से छह युवकों बहराइच कोतवाली देहात शेखदहिर निवासी मुशीर अहमद, अनवर अहमद, बहराइच नाजिरपुरा निवासी अरशद अली, बाराबंकी जैतपुर निवासी रिंकू और पीजीआई वृंदावन कॉलोनी निवासी अर्जुन भार्गव को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम को 25 हजार रुपये इनाम की घोषणाआरोपियों के पास से 26 लाख रुपये, 1.30 करोड़ रुपये कीमत की क्रिप्टो करेंसी, 16 चेकबुक, 15 डेबिट कार्ड, 2 आधार कार्ड, एक निर्वाचन कार्ड, 9 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और एक बाइक बरामद की गई है।

पदोन्नति चिह्न लगाकर किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती । पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने निरीक्षक राजकुमार सिंह प्रभारी थाना एएचटी को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नति होने पर बधाई दी गयी। इस अवसर पर पद चिन्ह लगाकर सम्मानित किया और उनकी मेहनत व कर्तव्य निष्ठा की सराहना की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पदोन्नति केवल एक नया पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी और कर्तव्य के प्रति समर्पण का

प्रतीक है, यह न केवल पुलिस कर्मचारी की मेहनत का सम्मान है, बल्कि संगठन के प्रति उसकी निष्ठा को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल में पदोन्नति, अनुशासन, कार्यकशलता और ईमानदारी से किए गए कार्यों का परिणाम होती है. जो सभी कर्मियों को कड़ी मेहनत और कर्तव्य परायणता के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने पदोन्नत अधिकारी को उम्मीद जताई कि वे अपने नियक्त स्थान पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें, अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें और आम जनता को न्याय दिलाने में अपनी भूमिका निभाएं। साथ ही, उन्होंने सभी पलिस कर्मियों को अपने कार्य में उत्कृष्टता लाने और संगठन की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए सतत प्रयास करने का संदेश दिया। इस दौरान अपर पलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम, पेशकार पुलिस अधीक्षक भानू प्रताप सिंह, प्रधान लिपिक विनेश यादव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम भदेवरा में एक महिला की सिर पर सिलबट्टे से कुचलकर हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / हत्या को लेकर गांव में दहशत का माहौल घटना स्थल पर पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार पहुंचे की जांच पड़ताल हत्याकांड के खुलासे के लिये एसओजी सहित तीन टीमें गठित कोंच(जालौन) कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदेवरा में एक वृद्ध महिला की सिर पर सिलबट्टे से कुचल कर हत्या किये जाने की सनसनी वारदात से हड़कंप मच गया है घटना की खबर पाकर गांव के लोग भारी संख्या में पहुंचे और पुलिस को सूचना दी मिली जानकारी में कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदेवरा निवासी श्री मति परमा सेवी पत्नी स्व बाबूलाल उम्र

करीबन पच्चर साल अपने घर में अपने परिजनों के साथ रहती थी और बीती रात वह अपने मकान के आंगन में चारपाई पर सो रही थी और उनके परिजन भी सो रहे थे कि बीती रात किसी व्यक्ति द्वारा उनके घर में घुसकर वहीं आंगन में रखे सिलबट्टे से उनके सिर पर जोरदार हमला कर दिया जिससे वह लहूलुहान हालत में मिली सुबह जब उनके परिजनों ने यह घटना देखी तो घबरा गये और हत्या हो जाने की घटना की खबर गांव में फेल गई मौके पर बड़ी संख्या में गांव वाले आ गए और परि जनों द्वारा पुलिस को सूचना दी मौके पर सी ओ परमेश्वर प्रसाद कोतवाल अजीत सिंह क्राइम इंस्पेक्टर लल्लूराम रावत एसएसआई विमलेश कुमार खेड़ा चौकी प्रभारी शिवनारायण वर्मा भारी पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घटना स्थल और घटना के बाबत लोगों से जानकारी की इस घटना को लेकर जिले से फोरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट की टीम ने अपनी जांच पड़ताल की है और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम के लिये उरई भेज दिया है

शाहजहांपुर में दुष्कर्म पीड़िता किशोरी बनी मां, बच्चे को फेंकने के लिए कहा तो डॉक्टर ने बुलाई पुलिस

शाहजहांपुर के सरकारी अस्पताल में दुष्कर्म पीड़िता किशोरी ने बच्चे को जन्म दिया। पीड़िता मानसिक मंदित है। उसकी मां ने नवजात को फेंकने की बात कही, इस पर डॉक्टर ने पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने बच्चे को भर्ती कराया है। शाहजहांपुर जिले में दुष्कर्म का शिकार बनी मदनापुर क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी ने बृहस्पतिवार रात सीएचसी में बच्चे को जन्म दिया। किशोरी और तीमारदारी में जुटी उसकी मां ने बच्चा कहीं फेंकने की बात कही, तो अधीक्षक डॉ. ओमेंद्र राठौर ने पुलिस को बुला लिया। समय से पहले जन्मे नवजात की हालत नाजुक देख उसे अस्पताल के इन्क्यूबेटर में रखा गया है।मानसिक रूप से 17 वर्षीय मंदित किशोरी से बाबू नाम के युवक ने दुष्कर्म किया था। किशोरी के गर्भवती होने पर उसकी मां ने गत 23 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मदनापुर पुलिस इस मामले में आरोपी को पहले ही जेल भेज चुकी है। इस बीच, ग्रामीणों के तानों से दुखी होकर किशोरी को उसकी मां लेकर एक अन्य गांव में चली गई और वहां मंदिर के अहाते में रहने लगी। मां-बेटी की दयनीय हालत देख ग्रामीण उनकी मदद करते रहे। मानसिक रूप से 17 वर्षीय मंदित किशोरी से बाबू नाम के युवक ने दुष्कर्म किया था। किशोरी के गर्भवती होने पर उसकी मां ने गत 23 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मदनापुर पुलिस इस मामले में आरोपी को पहले ही जेल भेज चुकी है। इस बीच, ग्रामीणों के तानों से दुखी होकर किशोरी को उसकी मां लेकर एक अन्य गांव में चली गई और वहां मंदिर के अहाते में रहने लगी। मां-बेटी की दयनीय हालत देख ग्रामीण उनकी मदद करते रहे।

जिलाधिकारी ने जाना मरीजों का हाल, जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर पैनी नजर

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शुक्रवार दोपहर जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ओपीडी, पैथोलॉजी, ब्लड बैंक और अल्ट्रासाउंड कक्ष का जायजा लिया तथा मरीजों और तीमारदारों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। निरीक्षण के दौरान एक वृद्धा ने सुनने की परेशानी बताई तो जिलाधिकारी स्वयं उन्हें ईएनटी चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे और बेहतर उपचार के साथ कान मशीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मरीजों ने जिलाधिकारी को बताया कि चिकित्सक

बाहर की दवाएं नहीं लिख रहे हैं और सभी दवाएं अस्पताल परिसर से ही मिल रही हैं। अस्पताल में आभा आईडी पंजीकरण काउंटर पर भीड़ अधिक पाई गई। इस पर जिलाधिकारी ने 20 पंजीकरण काउंटर बनाए जाने और दवा वितरण की लंबी कतार को देखते हुए दो अतिरिक्त काउंटर संचालित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान अल्ट्रासाउंड चिकित्सक अवकाश पर मिले। इस पर जिलाधिकारी ने सीएमएस को वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए ताकि मरीजों को असुविधा न हो। ब्लड बैंक में प्रतीक्षालय न होने पर उन्होंने टीन शेड युक्त प्रतीक्षालय निर्माण तथा सीएसआर फंड से दो एसी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही ब्लड रिपोर्ट वितरण में सुविधा हेतु विंडो सिस्टम लागू करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अस्पताल की साफ-सफाई, चिकित्सकों की वेशभूषा और उपचार व्यवस्था को संतोषजनक पाया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र देव शर्मा, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, सीएमएस आनंद उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी व चिकित्सक मौजूद रहे।

डॉक्टर, इंजीनियर बनने से पहले आदर्श नागरिक बनें छात्र- केंद्रीय मंत्री सिंधिया

क्यूँ न लिखूँ सच / केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने किया शिवपुरी में डिग्री लॉ कॉलेज का शिलान्यास और पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के भवन का उद्घाटन शिवपुरी, _केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज शुक्रवार को शिवपुरी में डिग्री लॉ कॉलेज का भूमिपूजन किया और प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय के नवीन भवनों उद्घाटन किया। इन भवनों से शिवपुरी के उच्च शिक्षा परिदृश्य को सुदृढ़ करने और युवाओं को आधुनिक एवं गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम और मजबूती मिली

है। इस मौके पर पूर्व मंत्री सुरेश राठखेडा, विधायक शिवपुरी देवेंद्र जैन, विधायक कोलारस महेंद्र यादव, विधायक करैरा रमेश खटीक, विधायक पिछोर प्रीतम लोधी, भाजपा जिला?यक्ष जसमंत जाटव, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जिला पंचायत अ?यक्ष नेहा यादव, जनपद अध्यक्ष हेमलता रावत, पूर्व विधायक शकुंतला खटीक, ओमप्रकाश खटीक, माखनलाल राठौर, प्रहलाद भारती, सीमा शिवहरे, राजू बाथम सहित अन्?य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण आदि उपस्थित थे। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि छात्रों को ठान लेना चाहिए कि यह भवन केवल अध्ययन का केंद्र न रहकर, नवाचार, संस्कृति और मूल्यों का जीवंत केंद्र बने क्योंकि यह कार्यक्रम यह भावनाओं और आकांक्षाओं का उत्सव है। जैसे किसी परिवार में नई पीढ़ी के लिए नया घर तैयार होता है, वैसे ही ये भवन आने वाली पीढ़ियों के लिए नए सपनों का आशियाना बनेंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल दो भवनों का शिलान्यास व लोकार्पण नहीं है, यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसरों का भूमिपूजन है।

शिक्षा केवल जानकारी का संचय नहीं, बल्कि जीवन को मार्गदर्शित करने वाली मशाल है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारे युवा यहाँ से ज्ञान, संस्कार और नेतृत्व के गुण लेकर उभरें। उन्होंने छात्रों से कहा कि डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, उद्यमी या नेता बनने से पहले वे एक सज्जन नागरिक बनें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के सहयोग का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि डबल-इंजन सरकार के साझा प्रयासों से ही आज ऐसी शैक्षणिक व युवा-केंद्रित पहले जिले में धरातल पर संभव हो पाई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय के परिसर में आज मुख्य शैक्षणिक 3-मंजिला भवन का लोकार्पण किया। यह भवन ?4 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। साथ ही परिसर में नया लॉ भवन (?2 करोड़), कॉमर्स भवन (?3.86 करोड़), दो आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ, बीएसएनएल Wi-स्न्नद्ब एवं ई-ग्रन्थालय, भव्य सभागार, रीडिंग रूम और सरस्वती वाटिका में ?20 लाख की लागत से दो ओपन-जिम जैसी सुविधाएँ स्थापित की गई हैं। इन निवेशों से परिसर की शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और छात्रों को डिजिटल युग के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त होगा। उल्लेखनीय है कि यह संस्थान 14 जुलाई 2024 को 'प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता प्राप्त कर चुका है। इस संदर्भ में सिंधिया ने कहा कि इस उपलब्धि से न सिर्फ महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई बल्कि यहां के छात्रों को भी आत्मविश्वास मिला। अब यह भवन सभी छात्रों को सपनों को नया हौसला और उड़ान देंगे। उल?लेखनीय है कि लॉ कॉलेज भवन का भूमिपूजन एक दीर्घकालीन प्रतीक्षा के बाद हुआ। यह भवन लगभग ?15 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाला है और इसके लिए पहले से ?7.5 करोड़ की राशि उपलब्ध हो चुकी है। इसमें परास्नातक पाठ्यक्रमों (स्स्रू) तथा 5-वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स जैसे उन्नत कार्यक्रम चलाने की योजना है, जिससे छात्र-छात्राओं को अपने जिले में ही उच्च स्तर की विधिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। वर्तमान में इस महाविद्यालय में लगभग 7,500 नियमित और लगभग 8,000 प्राइवेट छात्र-छात्राएँ अध्ययनरत हैं, जो इस संस्थान की शिक्षा की भूमिका और प्रत्याशा को दर्शाते हैं। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि इससे युवाओं को अपने ही शहर शिवपुरी में विश्व स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का अभूतपूर्व अवसर मिलेगा। यह केवल एक महाविद्यालय नहीं है, यह पूरे जिले की धड़कन है। यह जिले का एकमात्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय है, जिसके साथ पूरे जिले के विद्यालय और शैक्षिक संस्थान प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

शमीम अहमद बहराइची की नई एलबम 'दिल ही दिल में' ने सोशल मीडिया पर मचाई धूम

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पड़ोसी जनपद बहराइच के प्रसिद्ध अभिनेता, गीतकार और गायक शमीम अहमद बहराइची ने थिएटर से लेकर फिल्मों तक अपनी अलग पहचान बनाई है। कसूर, पाप की लंका, मेरे देश की धरती, नफरत है प्यार से जैसी कई चर्चित फिल्मों में काम कर चुके शमीम अहमद बहराइची अब एक बार फिर अपने नए एल्बम को

लेकर चर्चा में हैं। उनकी हाल ही में रिलीज हुई एलबम दिल ही दिल में युवाओं की धड़कनों में जगह बना रही है। ट्रेलर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों, खासकर यूट्यूब पर धूम मचा रहा है। एलबम का संगीत आकाश श्रीवास्तव ने दिया है जबकि इसके निर्माता, निर्देशक, गीतकार और गायक स्वयं शमीम अहमद बहराइची हैं। शमीम अहमद बहराइची इससे पहले गाजी पिया के दर पे है जाना, मां पार करो नैय्या,गाजी का दीवाना जैसी एलबम प्रस्तुत कर चुके हैं। इसके साथ ही वह जल्द ही कॉमेडी वेब सीरीज अजब फैमिली की गजब कहानी में भी नजर आने वाले हैं। शमीम अहमद बहराइची ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि आप सभी महानुभावों से मेरा निवेदन है कि मेरी इस प्रस्तुति को देखें और हौसला अफजाई करें। आपका प्यार और समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। उनकी नई एलबम ने संगीत प्रेमियों और युवाओं के बीच उत्साह भर दिया है। आप इसे यूट्यूब पर जाकर देख सकते हैं और शमीम अहमद बहराइची की कलात्मक यात्रा का हिस्सा बन सकते हैं।

युवा कल्याण विभाग में खेल कूद मे प्रतिभाग करने के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा जनपद में ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है इस वर्ष यह प्रतियोगिता विधायक खेल स्पर्धा के नाम से की जाएगी। इस प्रतियोगिता में सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग (पुरुष एवं महिला वर्ग) के खिलाड़ी प्रतिभा कर सकेंगे। यह जानकारी जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी द्वारा दिया गया है की जो भी खिलाड़ी उक्त प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना चाहते हैं वह अपना रजिस्ट्रेशन WWW.YUVASATHI.IN/SPORT-REGISTRATION पोर्टल पर कर सकते हैं प्रतियोगिता में प्रतिभा करने हेतु खिलाड़ियों का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हे सभी प्रतिभागी पोर्टल पर निशुल्क अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं । त्रिपाठी ने बताया है कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण अंचल के खिलाड़ियों को मंडल एवं राज्य स्तर प्रतियोगिता में पहचान दिलाने के लिए यह प्रतियोगिता अत्यंत सहायक साबित होगी। उन्होंने जनपद के सभी खिलाड़ियों व अभिभावकों से अपील किया है कि सभी खिलाड़ी बढ़-चढ़कर उक्त रजिस्ट्रेशन व प्रतियोगिता में प्रतिभाग करें जिससे ग्रामीण स्तर पर छिपी प्रतिभाओं का समुचित विकास हो सके।

ई राजीव रेजा ने कृष्ण कृष्ण गुप्ता लला देवगांव को सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) समाज के प्रति सदैव सहयोग देने वाले और व्यवसायी कृष्ण कुमार गुप्ता

उर्फ लला देवगांव वालों को स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट की ओर से भगवान श्री गणेश की पट्टिका उड़ा कर सम्मानित करते हुए स्वर्गीय रामप्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के प्रांतीय उपाध्यक्ष नरसिंह गहरवार एडवोकेट एवं भगवान श्री राम का चित्र भेंट करते हुए ट्रस्ट के संरक्षक रिटायर्ड प्रधानाचार्य एवं ट्रस्ट के डायरेक्टर समाज सेवी इंजीनियर राजीव कुमार रेजा इस अवसर पर शोरूम पर उपस्थित लोगों के मध्य राजीव कुमार रेजा ने कहा कि ट्रस्ट अपने चारों विजय शिक्षा उड़ान सुई धागा रोटी क्लीन इंडिया ग्रीन इंडिया के तहत कार्य कर रहा है वही साथ साथ नगर एवं क्षेत्र में समाज सेवा के रूप में सक्रिय योग दान करने वाले समाजसेवियों को भी ट्रस्ट समय समय पर सम्मानित करता रहता है इसी कड़ी में आज कृष्ण कुमार गुप्ता लला को आज सम्मानित किया गया

नगर पालिका का स्वच्छता महाअभियान, हर वार्ड में जागरूकता की गूंज

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ कांधला शामली(यूएलबी कोड 800643) ने शुक्रवार को वार्ड-दर-वार्ड स्वच्छता महाअभियान चलाकर नगरवासियों को बड़ा संदेश दिया। अधिशासी अधिकारी और नगरपालिका अध्यक्ष के निर्देश पर उतरी टीम ने नागरिकों को गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण, घर पर होम कंपोस्टिंग करने का तरीका और सिंगल यूज़ प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी हेल्पलाइन नंबर भी किए जारी अभियान में नगरवासियों को शासन की हेल्पलाइन सेवाओं से अवगत कराया गया शिकायत व समाधान हेतु नंबर 1533 सेप्टिक टैंक सफाई हेतु नंबर 14420 अध्यक्ष की अपील नगरपालिका अध्यक्ष ने कहा स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। सभी लोग प्लास्टिक का उपयोग बंद करें, गीले और सूखे कचरे को अलग रखें और हेल्पलाइन का उपयोग कर नगर को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें।जनता ने किया स्वागत अभियान के दौरान कई नागरिकों ने इसे सराहनीय पहल बताया और कहा कि स्वच्छ कांधला का सपना तभी पूरा होगा जब हर गली-मोहल्ला साफ-सुथरा होगा। इस अभियान का उद्देश्य है हर नागरिक को जागरूक करना, नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाना और स्वस्थ वातावरण की दिशा में कदम बढ़ाना।

सोसायटी से राशन व नगदी रकम चोरी करने वाले 2 आरोपियों को चौकी बसदेई पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। ग्राम शिवप्रसादनगर निवासी मणिप्रताप साहू ने चौकी बसदेई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 09.09.2025 के रात्रि में शिवप्रसादनगर स्थित सोसायटी में लगे ताला को तोड़कर अंदर रखे 2 बोरी चावल, खाली बोरा एवं बोर का 80 मीटर तार व नगदी रकम 1050 रूपये को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 05(डी), 331(4), 35 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की विवेचना के दौरान चौकी बसदेई पुलिस ने मुखबीर से प्राप्त सूचना पर संदेही राजेन्द्र प्रसाद पिता रामधन उम्र 32 वर्ष व परमेश्वर सिंह उर्फ गजोधर पिता दामोदर दास उम्र 25 वर्ष दोनों निवासी ग्राम शिवप्रसादनगर, चौकी बसदेई को दबिश देकर पकड़ा। पूछताछ पर दोनों ने सोसायटी में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया जिनके निशानदेही पर 2 बोरी चावल, 80 नग बोरा, 80 मीटर तार व 1 हजार रूपये नगदी रकम बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेंद्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक शिवकुमार सारथी, आरक्षक देवदत्त दुबे, रामकुमार सिंह, दिलीप साहू, निलेश जायसवाल, राकेश सिंह, शिवराज सिंह व अशोक केवट सक्रिय रहे।

संक्षिप्त समाचार

थानाध्यक्ष सतीश कुमार की कड़क कार्यवाहीपैदल गस्त से अपराधियों में दहशत, जनता को दिलाया सुरक्षा का भरोसा

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ कांधला (शामली)। कस्बे में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए थानाध्यक्ष सतीश कुमार ने पुलिस बल के साथ ज़बरदस्त पैदल गस्त किया। गस्त के दौरान उन्होंने कस्बे की गलियों, बाज़ारों और मुख्य मार्गों का निरीक्षण कर अपराधियों को सख्त संदेश दिया कानून तोड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा कस्बे के संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण पुलिस टीम को सख्त दिशा-निर्देशआमजन से शांति बनाए रखने की अपील अपराध और अव्यवस्था फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी जनता ने थानाध्यक्ष की इस सक्रियता की सराहना की और कहा सतीश कुमार के नेतृत्व में कस्बे में अपराधियों का खौफ खत्म होगा और अमन-चैन कायम रहेगा।

कैराना शादी के बाद निकाला पति नामर्द देवर पर दुष्कर्म का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ कैराना शामली कैराना कोतवाली क्षेत्र से ठीक है राम करने वाला मामला प्रकाश में आया है विवाहिता ने पुलिस को तहरीर में पति के नामर्द होने और देवर पर कई बार दुष्कर्म करने के संगीन आरोप लगाए हैं इतना ही नहीं सास और जेठ पर भी धमकी देने का आरोप है पूरे घटनाक्रम में कस्बे में सनसनी फैला दी पीड़िता ने तहरीर में बताया कि उसकी शादी सितंबर 2024 में मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार कैराना कस्बे के एक युवक से हुई थी शादी के कुछ ही दिन बाद उसे यह दर्दनाक सच्चाई पता चली कि उसका पति नामर्द है पीड़िता का आरोप है कि यह सच्चाई पति और उसके घर वालों को पहले से ही पता थी लेकिन उन्होंने यह बात छुपा कर रिश्ता तय कर शादी कर दी पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब वह पति की बीमारी को छुपा कर चुपचाप अपनी ससुराल में रह रही थी तभी उसके देवर ने उसकी मजबूरी का फायदा उठाया उसने पहले जबरन दुष्कर्म किया और फिर यह सिलसिला कई बार दोहराया विरोध करने पर देवर ने जान से मारने की धमकी दी तहरीर के अनुसार 15 अप्रैल 2025 की रात करीब 11:30 बजे विवाहित अपने कमरे में अकेली थी तभी देवर वहां आ गया और उसके साथ फिर से जबरदस्ती दुष्कर्म किया महिला का कहना है कि इस घटना से वह पूरी तरह टूट गई हिम्मत जताकर जब उसने सास को यह बात बताई तो सास का जवाब को यह बात बताई तो सास का जवाब और भी चौंकाने वाला था आप है की सास ने कहा तुझे जिस काम के लिए लाए हैं वही हो रहा है चुप रहे वरना जान से मार देंगे विवाहिता ने पुलिस को बताया कि वह लंबे समय तक समाज और परिवार की इज्जत की खातिर चुप रही लेकिन जब हालात असहनीय हो गए तो आखिरकार उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई तो आखिरकार उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई इसके बाद महिला ने थाने पहुंचकर पति और देवर सास और जेठ के खिलाफ तारीर दी इन सनसनी खेत प्रकरण ने कैराना कस्बे और आसपास के गांव में चर्चा छेड़ दी गई लोग दबी जुबान में कह रहे हैं कि जहां एक और विवाह के नाम पर लड़की को धोखा दिया गया वहीं दूसरी ओर रिश्ते की आड़ में महिला की ए सहमत से खिलवाड़ किया गया सास का कथित बयान भी लोगों के हैरानी और आक्रोश का विषय बना हुआ है कोतवाली पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी पुलिस सूत्रों का कहना है कि आप बेहद गंभीर है इसलिए मामले की छानबीन में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी इधर कश्मीर में लोगों की निगाहें पुलिस की कार्यवाही पर टिकी है

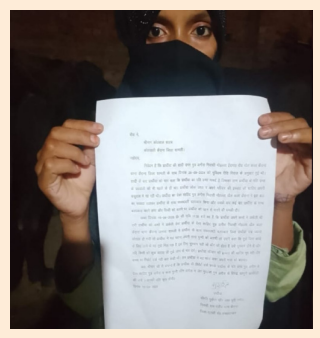

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने स्थाई वारंट तामीली में उत्कृष्ट कार्य पर पुलिस अधिकारी व जवानों को सम्मानित कर किया पुरस्कृत।

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने स्थाई वारंटों को तामीली में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी व जवानों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया है। जिले की पुलिस टीम ने तत्परता से कार्य करते हुए ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया जिनके खिलाफ अदालत ने स्थाई वारंट जारी किए थे और उन्हें पकड़कर कोर्ट में पेश किया। स्थाई वारंट तामीली से न्याय प्रणाली के कार्यो को मजबूती मिलती है और पीड़ितों को जल्द न्याय की राह आसान होती है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने फरार स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे, जिसके परिपालन में थाना-चौकी के पुलिस अधिकारी व जवानों के द्वारा 96 स्थाई वारंटियों को धर दबोचा है। इसके लिए थाना-चौकी प्रभारियों को स्थाई वारंटियों की धरपकड़ में रूचि लेने के कड़े शब्दों में निर्देश दिए थे। शुक्रवार, 12 सितम्बर 2025 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने स्थाई वारंट तामीली में उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, एसआई शिवब्रत तिर्की थाना ओड़गी, अमरेश सिंह थाना ओड़गी, मनोज पोर्ते थाना रामानुजनगर, क्षेत्रपाल सिंह थाना रामानुजनगर, रंजीत सोनवानी थाना प्रेमनगर, महिला प्रधान आरक्षक अरूणा बिसेन थाना भटगांव, प्रधान आरक्षक अखिलेश यादव थाना सूरजपुर, आरक्षक उमेश राजवाड़े, कुंदन सिंह थाना विश्रामपुर, अमलेश्वर कुमार थाना रामानुजनगर व दीपक यादव थाना रामानुजनगर को प्रशिस्त पत्र एवं नगद पुरस्कार से पुरस्कृत कर सम्मानित किया है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप मौजूद रहे।

लोक न्यास कुदरगढ़ में दोपहिया वाहन बैरियर निविदा स्थगित

क्यूँ न लिखूँ सच / पहिया पार्किंग की निविदा यथावत, श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु लिया गया निर्णय ड़गी)। मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास कुदरगढ़ द्वारा 15 सितंबर 2025 को चार पहिया एवं दोपहिया वाहन पार्किंग के लिए निविदा आमंत्रित की गई थी। लेकिन अब लोक न्यास प्रबंधन ने आंशिक संशोधन करते हुए दोपहिया वाहन पार्किंग की निविदा स्थगित कर दी है। वहीं चार पहिया वाहन की निविदा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यथावत जारी रहेगी। लोक न्यास सचिव द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि दोपहिया वाहन पार्किंग की निविदा से संबंधित जानकारी आगामी आदेश पृथक से जारी की जाएगी। यानी वर्तमान में सिर्फ चार पहिया वाहन पार्किंग की निविदा प्रक्रिया संपन्न होगी। श्रद्धालुओं की भीड़ और व्यवस्थापन का दबाव कुदरगढ़ स्थित मां बागेश्वरी देवी धाम में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। खासकर नवरात्रि एवं त्योहारों के दौरान यहां श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। इस कारण वाहन पार्किंग व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थापन को ध्यान में रखते हुए ही लोक न्यास समय-समय पर पार्किंग व्यवस्था हेतु निविदा जारी करता है। दोपहिया पार्किंग पर संशोधन क्यों? सूत्रों के मुताबिक, दोपहिया पार्किंग की निविदा में कुछ तकनीकी खामियां सामने आई थीं, जिन्हें सुधारने की आवश्यकता महसूस की गई। इसी वजह से फिलहाल दोपहिया वाहन पार्किंग की निविदा को निरस्त किया गया है। लोक न्यास ने आश्वस्त किया है कि जल्द ही संशोधित नियमों और शर्तों के साथ नई निविदा जारी की जाएगी। स्थानीय लोगों में चर्चा का विषय दोपहिया पार्किंग निविदा स्थगित होने की खबर स्थानीय लोगों और ठेकेदारों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। कई ठेकेदारों का कहना है कि समय पर जानकारी और पारदर्शी प्रक्रिया से ही पार्किंग व्यवस्था बेहतर हो सकेगी। वहीं श्रद्धालु वर्ग का मानना है कि वाहन पार्किंग की ठोस और व्यवस्थित व्यवस्था होना जरूरी है, जिससे दर्शन में परेशानी न हो। लोक न्यास का आश्वासन लोक न्यास प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। चार पहिया वाहन पार्किंग की निविदा यथावत प्रक्रिया में रहेगी और दोपहिया पार्किंग हेतु नई तारीख एवं शर्तों की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के लमकीखाडी क्षेत्र में अवैध कब्जा

क्यूँ न लिखूँ सच / ग्रामीणों ने खुद हटाई अतिक्रमणकारियों की झोपड़ी, मामला थाने तक पहुंचा - कई बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं सूरजपुर चांदनी बिहरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खोहीर के आश्रित ग्राम बैजनपाठ पश्चिम पारा (लमकीखाडी) में गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान (रेहंड पार्क परिक्षेत्र) की भूमि पर अवैध अतिक्रमण का मामला लगातार गहराता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि टाइगर रिजर्व घोषित क्षेत्र होने के बावजूद जंगल की कटाई और भूमि कब्जा करने की कोशिशें तेज हो चुकी हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जंगल की झाड़ियां और छोटे पेड़ काटकर भूमि समतल कर रहे हैं तथा झोपड़ी डालकर बसने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रामीणों ने जब विरोध किया तो अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई झोपड़ी को खुद ही हटाया गया। इसको लेकर विवाद इतना बढ़ा कि मामला थाने तक पहुंच गया। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग और विड गार्ड की मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं है। कई बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों की आवाज़ ग्रामीण मुना पन्डो, अमर सायं, लालू पन्डो, अनिल, फूलसाय, लालसाय, बिहारी, धर्मपाल, हरि सिंह, जगनारायण सिंह, सुखराम सिंह, बहादुर सिंह और अमर सिंह ने सामूहिक रूप से कहा - हम लोगों ने कई बार गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। हर बार आश्वासन तो मिलता है, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता। वन विभाग की चुप्पी से ही अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामवासी अनिल कुमार पंडो बोले - > हमारा जीवन जंगल से जुड़ा है। यहां से महुआ, लकड़ी और जंगली उत्पाद मिलता है। यदि जंगल को उजाड़ा गया तो हमारी आजीविका छिन जाएगी। वहीं धर्मपाल पैंकरा ने कहा - > वन विभाग की लापरवाही से अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। यदि समय रहते रोक नहीं लगाई गई तो जंगल पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। वन विभाग की सफाई इस मामले पर गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान रिहंद नेशनल पार्क के रेंजर ललित सायं पैकरा ने फोन पर कहा - आपके द्वारा जानकारी मिल रही है। मामले की जांच की जाएगी और यदि यह गतिविधि मेरे क्षेत्र में पाई जाती है तो तत्काल रोक लगाई जाएगी। पिछले साल भी इस तरह के प्रयास हुए थे जिन्हें मैंने रुकवाया था। ग्रामीणों की चेतावनी ग्रामीणों ने साफ कहा कि यदि लमकीखाडी क्षेत्र की वन भूमि पर अवैध कब्जे को तुरंत नहीं रोका गया, तो वे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन और वन विभाग इस गंभीर मामले में कठोर कदम उठाकर राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित कर पाएंगे, या फिर यह विवाद थाने से अदालत तक पहुंचकर लंबा खिंच जाएगा?

यौन उत्पीड़न पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के सभागार में आज दिनांक 12 सितम्बर 2025 को कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के दिशा-निर्देशन में यौन उत्पीड़न विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन गुलिस्तां सामुदायिक विकास समिति, भिनगा से आए श्री गुलशन जाहि एवं सुश्री वन्दना रावत तथा पुलिस विभाग से आईं उप निरीक्षक पुष्पलता व आरक्षी मोनू सिंह द्वारा किया गया। विशेषज्ञों ने यौन उत्पीड़न की संकल्पना, कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा एवं अधिकार, कानूनी प्रावधान, आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका तथा पीड़ित के लिए उपलब्ध शिकायत निवारण तंत्र पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही व्यावहारिक उदाहरणों एवं संवादात्मक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। कार्यशाला में उपस्थित कार्मिकों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अपने प्रश्न प्रस्तुत किए, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया। इस अवसर पर डॉ. कल्पना महादेव पाटिल, सहायक कमांडेंट (चिकित्सा) सहित अन्य अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

कांधला कस्बे में पानी ठीक होने के कारण पानी की समस्या से राहत

क्यूँ न लिखूँ सच /राकेश गुप्ता/ कांधला शामली कांधला नगर पालिका प्रशासन ने एक बार फिर आम जनता की सुविधा के लिए त्वरित कार्रवाई करते हुए पानी की किल्लत से जूझ रहे मोहल्लों को राहत दी है। वार्ड नंबर 1 रायजादगान की गली में लंबे समय से खराब पड़ा हैंडपंप आखिरकार ठीक कर दिया गया। हैंडपंप के सुधरने से स्थानीय निवासियों को पीने के पानी की समस्या से बड़ी राहत मिली है।इसी क्रम में मोहल्ला मौलवियान में 1.5 एचपी की समरसीबल मोटर को भी रिपेयर कराया गया। मोटर ठीक होने से मोहल्ले में जल आपूर्ति सुचारु रूप से शुरू हो गई है।नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि जनता की मूलभूत सुविधाओं से समझौता नहीं किया जाएगा। हर शिकायत का समाधान प्राथमिकता पर किया जाएगा। मोहल्ले के लोगों ने मरम्मत कार्यों के लिए नगर पालिका अध्यक्ष एवं प्रशासन का आभार जताया और कहा कि अब उन्हें पानी की समस्या से निजात मिल गई है।

Visit Pashupatinath Temple for just 10 thousand, Shiva Dham of Nepal is very mysterious

There are many mysteries related to Pashupatinath Temple which will definitely attract you towards this temple. Let us know the secrets of Pashupatinath Temple located in Kathmandu, its importance and complete information related to Kathmandu trip

for darshan. India and Nepal are not only connected by borders, but also by spirituality, religiosity. Mother Sita, born in Nepal, is the wife of King Ram of Ayodhya. A visit to the 12 Jyotirlingas located in India is incomplete without visiting Pashupatinath Temple located in Kathmandu, Nepal. Pashupatinath Temple, located on the banks of Bagmati River in Kathmandu, the capital of Nepal, is a major religious and cultural heritage of not only Nepal but the entire Indian subcontinent. This temple is considered to be one of the holiest shrines of Lord Shiva and every year millions of Indian tourists reach here for darshan. Listed as a UNESCO World Heritage Site, this temple is famous all over the world for its mysterious history, ancient architecture and religious significance. Here you can come to see the oldest Jyotirlinga form of Lord Shiva and understand the cultural and religious heritage of Nepal. There are many mysteries related to Pashupatinath temple which will definitely attract you towards this temple. Let us know the mysteries of Pashupatinath temple located in Kathmandu, its importance and complete information related to Kathmandu trip for darshan. History of Pashupatinath Temple- The history of Pashupatinath temple is very ancient and the exact time of its establishment is not known. But it is believed that King Prachand Dev of the Lichchhavi dynasty built the temple in the 5th century. It is being rebuilt from time to time. The Shivling located here is called 'Pashupati'. According to the legend related to the temple, Lord Shiva once came here to roam in the form of a deer. The gods wanted to take him back to Kailash but Shiva did not agree. During this, his horn broke and was established in the form of Shivling. For this reason, this form of his is worshipped as Pashupatinath. A story is related to Kedarnath Jyotirling located in Uttarakhand. It is believed that when the Pandavas went in search of Lord Shiva to attain salvation after the Mahabharata war, Shiva took the form of a bull. Bhima recognized him and tried to stop him, during this time the head of Shiva in the form of a bull fell in Kathmandu, Nepal and the torso remained in Kedarnath. It is believed that the journey to Kedarnath is considered complete only when the devotees also visit the Pashupatinath temple. Pashupatinath has a four-faced Shivalinga, whose upper part i.e. the fifth face is worshiped as a divine linga. Every year a huge fair is held here on Mahashivratri, in which devotees from all over the world including India participate. There are many small and big temples, idols and ashrams in the temple complex which make it even more special. Interesting facts related to the temple- The main peak of Pashupatinath temple is made of gold. Its architecture is in pagoda style. The temple has four gates which are made of silver. There is a Chaturbhuji Shivling in the sanctum sanctorum, whose four faces are in different directions and the fifth face above is worshiped as a divine light. Only people of Hindu religion can enter the sanctum sanctorum here. The temple is called the entrance of death. The temple is located on the banks of the Bagmati River. There is a special tradition of cremation on the banks of the river, which tourists also come to see. UNESCO declared it a World Heritage Site in 1979. How to reach Pashupatinath Temple from India? If you want to visit Pashupatinath Temple, then direct flights are available from Delhi, Varanasi and Bodh Gaya to Kathmandu. Apart from this, the Nepal border is adjacent to Uttar Pradesh and Bihar, from where you can easily reach Kathmandu by road. You do not need a passport or visa. However, a permit is required, which is available at the border itself. Apart from this, there are no direct trains from India to Nepal, but one can go by train to Gorakhpur or Raxaul and then travel further to Kathmandu by bus or taxi. Expenses of Kathmandu trip - If you are traveling by flight, then the fare from Delhi to Kathmandu can be around 6000 to 10000 for to and fro. You may have to spend 2000 to 3500 thousand rupees in bus or cab. Hotels are available here in budget. You can easily get a hotel room from 1000 rupees to 2500 rupees per night. Food and drinks are cheap. Overall, the cost of a three-day trip to Nepal can be 10000 to 15000 rupees per person.

From Millennials to Gen-Z, there is a big difference in the attire of both generations in Nepal

Nepal is a country that has both culture and modernity together. That is why we will tell you the fashion trend of changing times in Nepal here. Like India, Nepal is also called a country of diversity. This country is trying to create a balance between its traditions and modernity with changing times. The culture here is deeply connected to religious beliefs, ethnic traditions and social values. This is the reason why people come here to visit with great enthusiasm. Along with the food of Nepal, its attire is also very famous. During cultural programs there, people like to wear special clothes, but as time changed, a big change was also seen in the attire. This change is especially seen among the Millennial and Gen-Z generations. In this article, we will give you information about the changing fashion between the two generations. First, know the attire of the Millennial generation. People born between 1981 and 1996 are called Millennials. This generation has traveled from letters to smart phones. Millennials have started using modern means like internet, mobile and TV. Talking about the attire of this generation, in most areas of Nepal, Millennials have adopted jeans-t-shirts, formal shirts, and salwar-suits, but even today, whenever there are festivals and family events, they prefer to be seen in their traditional clothes. They still like to wear traditional clothes like Dhaka Topi, Gunyu-Choli and Saree. Now know the attire of Gen-Z generation. People born after 1996 are called Gen-Z. This generation has fully lived the digital age. Therefore, for this generation, clothes are not just a thing to cover the body, they have linked clothes to personal identity, thinking and social media presence. This is the reason why they keep experimenting with their clothes in many ways. People of Gen-Z generation focus more on gender-neutral fashion, body positive clothes, crop tops, baggy jeans, oversize clothes. This generation believes that clothes should always be carried according to one's ease and comfort. What is the difference between the two generations? 1. The way of dressing is quite different for the people of both generations. Like millennials adopt their fashion according to social acceptance and occasion, whereas for Gen-Z, fashion is a means of self-expression and creativity. 2. One reason for the difference between the two is that millennials used to depend on TV and magazines for their fashion, on which very limited options were available, but times have changed and now Gen-Z is directly influenced by social media trends, influencers and Y2K fashion. In the digital age, Gen Z has a myriad of options available to them. 3. One big difference between the two generations is that millennials still prefer long-lasting, quality clothes. While Gen-Z choose clothes based on fast-changing trends, even if they are short-lived.

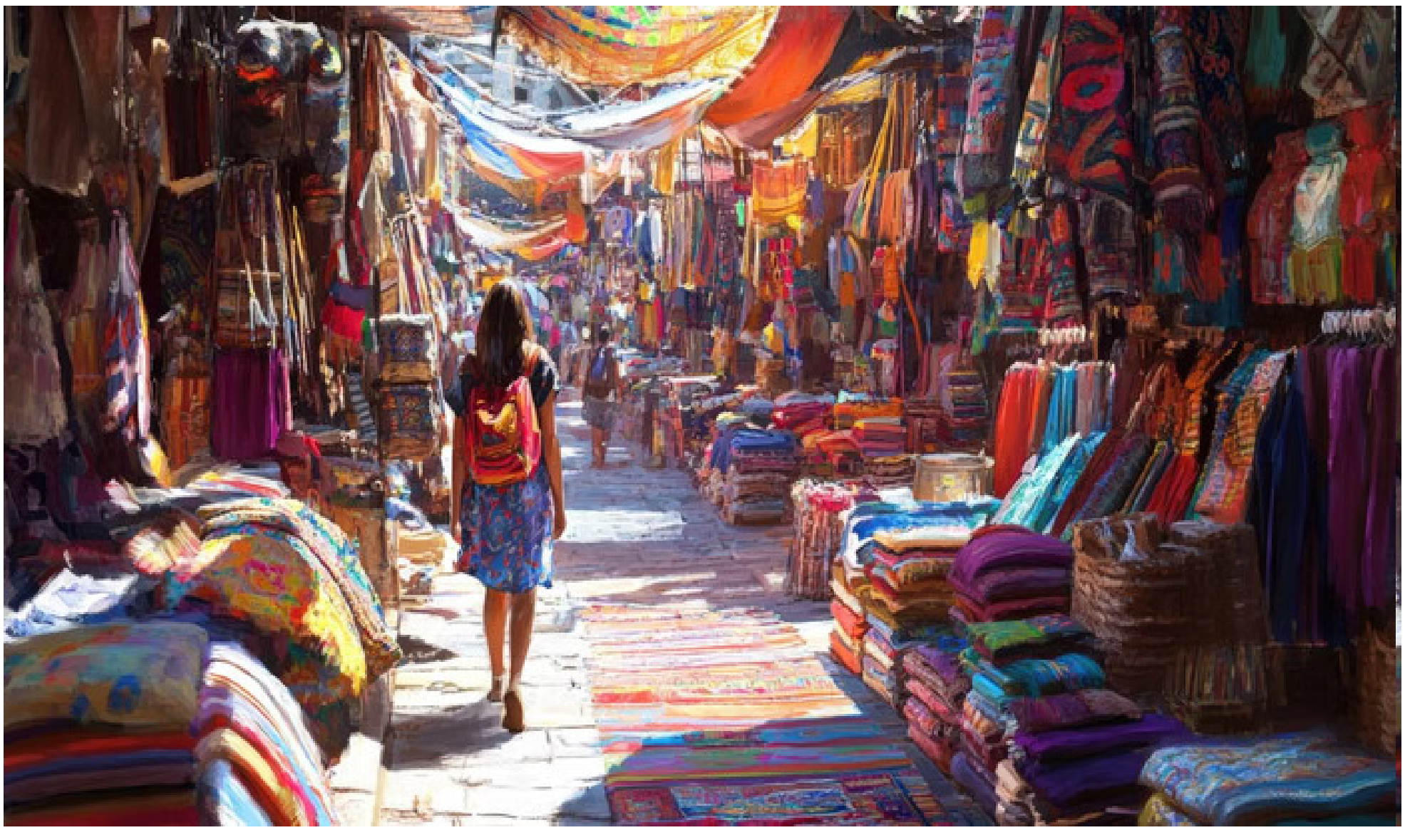

Anurag Kashyap and Jaideep touched Manoj Bajpayee's feet, video viral from 'Jugnuma' screening

After a long time, Anurag Kashyap and Manoj Bajpayee were seen together in a public place. Anurag reached the screening of Manoj Bajpayee's film 'Jugnuma'. Jaideep was also seen with him. Many other actors were also present at this event. A video from this screening has gone viral, in which everyone is touching Manoj's feet. Manoj Bajpayee's old friend and Gang of Wasseypur director Anurag Kashyap was seen at the screening of his film 'Jugnuma'. Along with him, Jaideep Ahlawat, Vijay Verma, Jaideep Ahlawat and Vineet Kumar Singh were seen. All of them were seen touching Manoj's feet at the screening. Users have also reacted after watching the video. Anurag seen having fun with Manoj Bajpayee As soon as Anurag Kashyap came to the screening, he immediately fell at Manoj Bajpayee's feet. He started taking blessings by touching his feet. Along with Anurag, Jaideep Ahlawat, Vineet Kumar and Vijay Verma also started touching Manoj's feet. All of them were seen seeking blessings together. Seeing this, Manoj Manoj's smiling and was seen stopping started everyone from doing so. Later, everyone clicked photos together. Anurag and Manoj Bajpayee's friendship is old between Manoj Bajpayee and The friendship in cult films like 'Gangs of Anurag Kashyap is quite old, both have worked since the early days of their career. Wasseypur'. Their friendship has remained intact Manoj said about Anurag, Recently, in an interview to Bollywood Hungama, this process, he has made many 'Anurag stands up because of his strong beliefs. In has also fallen ill but he stuck to enemies. He has also broken his hand in anger, he People should look at his journey, his point. He can be an example for all filmmakers. these projects ahead Recently, learn from him. Manoj Bajpayee will be seen in 'Inspector Zende', this film was released on OTT. The audience was impressed by Manoj's acting in it. Manoj Bajpayee was also in the news for the film 'Ghost in Police Station'.

Divya told how she prepared for the character of 'Ek Chatur Naar', said- 'I want to do a period film'

Divya Khosla, who is waiting for the release of 'Ek Chatur Naar', talked about the film and her character. Know what the actress told.Actress Divya Khosla is in the news these days for her upcoming film 'Ek Chatur Naar'. In this film, she will be seen with Neil Nitin Mukesh. Now before the release of the film, Divya had a special conversation with Amar Ujala. During this, she also talked about the preparation of the film. Also shared her opinion on the film and her experiences. How excited are you about the film? I am very excited. Our trailer got a lot of love from the audience. YouTube India also commented that the film looks very good and Neil and my acting is very brilliant. This has given a lot of encouragement to us and our film. Our film is mainly a comedy, but it also has some thrill and suspense. Do you think working in this film is also a challenge? Yes, because the story of our film is new and real. We have made it keeping in mind today's era. Whatever has been shown about technology in the film is very popular these days. There is so much in everyone's phone that it can be misused. This is a very important issue, so everyone will connect. The film is also good for the family audience. How did you mold yourself in this character? - Actually, every character in the film has many layers because this is a film in which no one is completely good or bad. No one is innocent. It is not easy to carry both the characters within you. Also, it was not easy to adopt the language of the slum dwellers. The character is from Lucknow, so I had to adopt the language of that place because my Punjabi is strong. It took a lot of hard work but it was a fun experience. You are a famous artist, so how do you manage your privacy? If someone makes a bad comment about me on social media, then I block him. In the beginning, I used to think a lot that why are people saying this? Then John Abraham had said that I never read the comments. This was an amazing advice. There are so many people, they will definitely talk. No one can shake my confidence. Any role that you would like to do? Earlier I used to say that I want to do a comedy film. Now I want to do a period film. You do very few films in a year. Is this intentional? No, I listen to many scripts but work only in those that I like. If I get good and interesting roles in the future too, I will definitely do them. After this my Telugu film 'Jatadhara' is going to release, it will probably release in November. I have learnt Telugu for that, I am also doing the dubbing myself.

A new guest has come to Chiranjeevi's family, 'Jolly LLB3' trailer released; These news were in discussion today

On Wednesday, many news from Bollywood to South Cinema were in discussion. Read today's popular news quickly. Today, the trailer of Akshay Kumar's film 'Jolly LLB 3' was released, what is special in this trailer? A little guest has come to South actor Chiranjeevi's house. A news related to Karisma Kapoor was also in discussion on Wednesday. Apart from this, what special happened in the film world? Karisma Kapoor's children reached the court for their father's property. Some time ago, the news of the death of Karisma Kapoor's ex-husband Sanjay Kapoor was received. Now an alleged will of his has also come to light. Karisma Kapoor's children have reached the court regarding this will. The matter has reached the High Court and the next hearing is on October 9. Meanwhile, the court sought details regarding the property from Sanjay Kapoor's second wife Priya Kapoor. Then Priya has argued and questioned Karisma Kapoor's children, 'You have already taken Rs 1900 crore, what else do you want'? After this incident, the rift between Karisma Kapoor and Sanjay Kapoor's second wife Priya has now become public. A different story was seen in the trailer of 'Jolly LLB 3' Today the trailer of the film 'Jolly LLB 3' was also released. Akshay Kumar, Arshad Warsi, Saurabh Shukla were seen in the film. The pain of farmers has been shown in this trailer. This time the story revolves around farmers. Gajraj Rao is also seen in an important role in the third part. Subhash Kapoor directed 'Jolly LLB 3' will be released in theaters on September 19. Chiranjeevi welcomes child in Konidela family South film actor Varun Tej and his wife Lavanya Tripathi welcomed their first child on September 10, 2025. They have shared the good news of the birth of a son on social media. Also, actor Chiranjeevi has congratulated the couple on the birth of their son. Let us tell you that Varun is the son of Chiranjeevi's younger brother Nagendra Babu. Deepika Padukone celebrates daughter Dua's first birthday Deepika Padukone and Ranveer Singh's daughter Dua turned one year old on Tuesday. A day later, Deepika shared a cute picture of her daughter's first birthday celebration on her Instagram account. A homemade chocolate cake is seen in it. Sharing the post, Deepika wrote in the caption, 'My love language? Making a cake for my daughter's first birthday.' These days, Deepika is focusing more on raising her daughter than her career.